News सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक- 71
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

आज का विचार

यदि आप सूरज की तरह चमकना चाहते हैं, तो पहले सूरज की तरह जलाएं।

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

इंदौर, रविवार, 16 जून 2024

सिंगल कॉलम

ट्रेन के पहियों के नीचे आने से टीसी के धड़ से अलग हुए दोनों पैर

प्लेटफार्म से गुजर रही नॉन स्टॉप कन्याकुमारी सुपरफास्ट एक्सप्रेस की बोगी से उछलकर गिरा

ग्वालियर। ग्वालियर रेलवे स्टेशन पर उस समय अफरातफरी मच गई जब प्लेटफार्म से गुजर रही नॉन स्टॉप कन्याकुमारी सुपरफास्ट एक्सप्रेस की बोगी से एक टीटी को उछलकर नीचे गिरते हुए लोगों ने देखा। यात्रियों ने इसकी सूचना जीआरपी को दी। उसके दोनों पांव कट चुके थे।घटना शनिवार सुबह लगभग 9 से दस बजे के बीच की है। बताया गया कि कन्याकुमारी सुपरफास्ट एक्सप्रेस का ग्वालियर में स्टॉपेज नहीं है। यह ट्रेन यहां से काफी रफ्तार से गुजर रही थी। अचानक प्लेटफार्म पर खड़े यात्रियों ने देखा कि तेज गति से जा रही इस ट्रेन की बोगी से एक व्यक्ति हवा में उछलते हुए नीचे गिरा और उसके पैर ट्रेन के पहियों के नीचे आ गए। यह खौफनाक मंजर देखकर यात्रियों में चीख पुकार मच गई। इसकी सूचना पाकर जीआरपी और आरपीएफ के अफसर और कर्मचारी तत्काल दौड़े, लेकिन तब तक उसके दोनों पैर कट चुके थे। घायल हुआ व्यक्ति रेलवे का ही टीटी है। उसका नाम रमेश कुमार बताया जा रहा है। वह बेहोशी की हालत में था, इसलिए ज्यादा जानकारी नहीं मिल पाई है। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। अभी हादसे की वजह साफ नहीं हो सकी है। टीटी पैर फिसलने से गिरा या किसी ने धक्का दिया, इसकी जांच की जा रही है।

मध्य प्रदेश में 11 घरों में मिले गोवंश के अवशेष, एक गिरफ्तार

पुलिस ने भैंसवाही गांव में देर रात की छापेमारी, आरोपियों के घर पर चला बुलडोजर, 10 आरोपी फरार

मंडला। मध्य प्रदेश के मंडला में शुक्रवार देर रात मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने भैंसवाही गांव में छापेमारी की। इस दौरान पुलिस को गांव के 11 घरों में गोवंश के अवशेष मिले। इनमें गोवंश की हड्डी, चर्बी समेत अन्य अवशेष बरामद हुए। पुलिस ने इस संबंध में 11 लोगों पर केस दर्ज कर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी 10 आरोपी रात में अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। वहीं, शनिवार को पुलिस प्रशासन ने राजस्व विभाग के साथ मिलकर आरोपियों के मकान को बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया।

मंडला जिले के नैनपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भैंसवाही में 11 मकानों पर पुलिस की छापेमारी के दौरान 150 से ज्यादा गोवंश के अवशेष मिलने से गांव में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि मंडला पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि भैंसवाही गांव से गौ तस्करी के साथ उनके मांस की तस्करी की जा रही हैं। सूचना के आधार पर मंडला के एसपी और नैनपुर के एसडीओपी ने पुलिस टीम के साथ गांव में दबिश देकर भारी मात्रा में गोवंश के अवशेष किए। पुलिस ने एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि 10 आरोपी फरार बताए जा रहे हैं। गांव में एसपी रजत सकलेचा समेत भारी पुलिस बल तैनात है। शनिवार को पुलिस और प्रशासन ने आरोपियों के अवैध निर्माण को गिराने की कार्रवाई की। दोपहर 2 बजे तक 3 घरों पर बुलडोजर चला। बाकी के 8 घर और गिराए जाएंगे। पुलिस ने इस मामले में 11 एफआईआर दर्ज की हैं। मंडला के नैनपुर के भैंसवाही गांव में आरोपियों ने सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा था। यहां अवैध कत्लखाने चलाए जा रहे थे। एसपी

इंदौर से ओंकारेश्वर-उज्जैन के लिए हेलिकॉप्टर सेवा आज से

प्रदेश के कॉलेजों में युवाओं को हेलिकॉप्टर और विमान चलाने से संबंधित कोर्स इसी सत्र से

भोपाल। मध्यप्रदेश में 16 जून से उज्जैन के महाकाल मंदिर और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग के दर्शन के लिए रविवार से हेलिकॉप्टर सेवा शुरू हो रही है। इस सेवा के तहत इंदौर से ओंकारेश्वर किराया 5200 रुपए और ओंकारेश्वर से उज्जैन का 6500 रुपए होगा। यानी 11700 रुपए खर्च कर दोनों जगह हेलिकॉप्टर से पहुंचा जा सकेगा। इंदौर से सीधे उज्जैन भी जा सकते हैं। इसके लिए 4500 रुपए किराया तय किया गया है।

रविवार को उज्जैन में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव इस सर्विस की शुरुआत करेंगे। सरकार ने इस सर्विस के लिए नई दिल्ली के सर्व एविएशन कंपनी से अनुबंध किया है। कंपनी ने 8-8 सीटर के 2 हेलिकॉप्टर लगाए हैं। 8 जुलाई से 16 सीटर हेलिकॉप्टर भी उपलब्ध होगा। राज्य सरकार का विमानन विभाग को इसका नोडल विभाग बनाया गया है। बुकिंग मप्र पर्यटन निगम, सर्व एविएशन और कफउळउ के ऑनलाइन पोर्टल से हो सकेगी। हालांकि, अभी यह क्लियर नहीं है कि दोनों हेलिकॉप्टर की उड़ानों का शेड्यूल क्या रहेगा।

छिंदवाड़ा के जाम सांवली में हनुमानजी के दर्शन कराने की तैयारी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को बैतूल और छिंदवाड़ा की सभाओं में कहा था कि प्रदेश में तीर्थ यात्रा के लिए हेलिकॉप्टर सेवा आरंभ की जा रही है। प्रारंभ में प्रदेश के दो ज्योतिर्लिंगों ओंकारेश्वर और महाकालेश्वर को इस सेवा से जोड़ा जा रहा है। भविष्य में छिंदवाड़ा में स्थित जाम सांवली हनुमान जी के दर्शन के लिए भी यह सेवा शुरू करेंगे।

हेलिकॉप्टर उड़ाने के लिए देंगे प्रशिक्षण प्रदेश के युवा हेलिकॉप्टर और विमान चलाना सीखें, इस उद्देश्य से आवश्यक प्रशिक्षण व कोर्स आरंभ किए जा रहे हैं। जिलों में उपलब्ध हवाई पट्टियों का उपयोग युवाओं को पायलट के रूप में प्रशिक्षित करने के लिए किया जाएगा। इधर, मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश के कॉलेजों में युवाओं को हेलिकॉप्टर और विमान चलाने से संबंधित कोर्स इसी सत्र से शुरू करने की तैयारी हो रही है। उच्च शिक्षा विभाग ने विश्वविद्यालयों के कुलगुरुओं को निर्देश जारी किए हैं कि इसका पाठ्यक्रम कॉलेजों में शुरू कराएं।

करोड़ की लागत से तैयार होगा सेवरखेड़ी-सिलारखेड़ी डैम, सीएम ने किया कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना का भूमिपूजन

शिप्रा का पानी शिप्रा में ही रहेगा

05 हजार करोड़ की लागत से तैयार होगा उज्जैन-जावरा फोरलेन

उज्जैन। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को ग्राम डेंडिया स्थित शनि मंदिर के पास आयोजित कार्यक्रम में कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना के तहत भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। उन्होंने 816 करोड़ 69 लाख रुपये की लागत के कुल 41 विकास कार्यों सौगात दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि 600 करोड़ रुपये की लागत से आने वाले समय में सेवरखेड़ी में बैराज निर्मित कर शिप्रा का पानी लिफ्ट कर सिलारखेड़ी ले जाया जाएगा और वहां से पुन- शिप्रा में छोड़ा जाएगा। इससे शिप्रा का पानी शिप्रा में ही रहेगा। कार्यक्रम में सीएम ने कहा कि आज हमारे कई साल का संकल्प मूर्तरूप लेने जा रहा है। हमने सभी संतों के साथ यह संकल्प लिया था कि शिप्रा नदी के जल को निर्मल और स्वच्छ बनाएंगे और कान्ह नदी का पानी शिप्रा में मिलने से रोकेंगे। कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना के माध्यम से अब कान्ह का दूषित जल मां शिप्रा के किसी भी तट पर नहीं मिलेगा। कान्ह का पानी गंभीर नदी के निचले किनारे तक पहुंचाया जाएगा, जिसे शुद्धिकरण किया जाएगा और आसपास के किसानों को सिंचाई के लिए पानी मिलेगा।

उज्जैन में लगेगा प्रतिमाएं बनाने का कारखाना

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में प्रतिमाएं बनाने का कारखाना स्थापित किया जाएगा। यहां बनी प्रतिमाएं प्रदेश और देश के कोने-कोने तक पहुंचेंगी। इससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। साथ ही पीतल से भी यहां प्रतिमाएं बनाई जाएंगी। पूजा-पाठ सामग्री, भगवान की पोशाक, पूजा के पात्र भी प्रदेश में बनवाकर देश के कोने-कोने में उपलब्ध करार जाएंगे। शासन द्वारा विद्यालयों तथा महाविद्यालयों के पाठ्यक्रम में धार्मिक प्रसंगों को भी जोड़ा गया है।

विकास का यह क्रम संत समाजजनों के सहयोग से जारी रहेगा
मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में कान्ह क्लोज डक्ट परियोजना के भूमिपूजन के आलवा लगभग 217 करोड़ के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पांच हजार करोड़ की लागत से उज्जैन-जावरा फोरलेन वाया नागदा का शीघ्र निर्माण पूरा होगा। वहीं, उज्जैन-इंदौर सिक्सलेन का शीघ्र भूमिपूजन किया जाएगा। विकास का यह क्रम संत समाजजनों के सहयोग से निरंतर जारी रहेगा। विकास में कोई कसर नहीं छोड़ेंगे।

आयुष्मान कार्डधारियों एयर एंबुलेंस से पहुंचाएंगे मुफ्त मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन में निरंतर विकास के कार्य चल रहे हैं तथा यहां के निवासियों को नित्य कई सौगातें मिल रही हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी पात्रता धारी अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं, जिससे उन्हें पांच लाख रुपये तक की निःशुल्क उपचार का लाभ प्राप्त हो सके। एयर एंबुलेंस सेवा के माध्यम से आयुष्मान कार्ड धारी गंभीर रूप से बीमार व्यक्ति को कम समय में मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों पर उपचार हेतु पहुंचाया जाएगा। यह सेवा आयुष्मान कार्ड धारियों के लिए पूरी तरह निःशुल्क रहेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बीमार व्यक्ति की जान बचाना हमारी प्राथमिकता है।

भगवान कृष्ण और राम के लीला स्थलों का होगा विकास उज्जैन और इंदौर संभाग सहित प्रदेश के सभी देवस्थानों व सभी धार्मिक पर्यटन स्थलों का विकास किया जाएगा। भगवान महाकाल के महालोक का लोकार्पण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के द्वारा किया गया। उसके बाद उज्जैन की दशा बदली है। यहां के लोगों को रोजगार मिलने के साथ ही धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि महाकाल लोक में स्थित सप्तऋषियों की प्रतिमाएं जो क्षतिग्रस्त हो गई थी, उन्हें उज्जैन में ही कलाकारों द्वारा ठोस पत्थर तराशकर निर्मित किया जा रहा है। उन्हें शीघ्र ही महाकाल लोक में पुनर्स्थापित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान राम और कृष्ण के समय के ऐतिहासिक क्षणों के साक्षी रहे स्थलों का विकास किया जाएगा।

सीएम ने इन कार्यों की दी सौगात

- 38 करोड़ 50 लाख रुपये की लागत से दताना से नागझिरी मार्ग का निर्माण।
- 24 करोड़ आठ लाख रुपये की लागत से तराना में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का 100 बिस्तरीय सिविल अस्पताल भवन में उन्नयन/निर्माण
- 21 करोड़ सात लाख रुपये की लागत से तरण ताल से देवास रोड वाया कलेक्टोरेट एवं मंगलनाथ से चककमेड तक मार्ग निर्माण
- 14 करोड़ 31 लाख रुपये की लागत से घटिया में नवीन शासकीय आईटीआई का निर्माण
- 12 करोड़ 14 लाख रुपये की लागत से उज्जैन में चार मार्गों का निर्माण
- नौ करोड़ 82 लाख रुपये की लागत से सिंहस्थ अंतर्गत रत्नाखेड़ी, मंगरोला, चांदुखेड़ी, जलालखेड़ी, नागदा मार्ग का निर्माण
- नौ करोड़ 53 लाख रुपये की लागत से जमालपुरा, कोकलाखेडी, नईखेड़ी सिलोदामोरी मार्ग का निर्माण
- सात करोड़ 62 लाख रुपये की लागत से चादमुख सिकंदरी गंगेडी ब्रजराज खेडी छायन मार्ग का निर्माण।
- चार करोड़ रुपये की लागत से काल भैरव मंदिर पार्किंग बाउंड्रीवाल, शेड, रेलिंग आदि का निर्माण का भूमिपूजन किया गया
- इसके अतिरिक्त 22 करोड़ 91 लाख रुपये की लागत से पूर्ण किए गए 23 विकास कार्यों का लोकार्पण भी मुख्यमंत्री के द्वारा किया गया

..आठ नक्सली ढेर, एक जवान शहीद, दो घायल

छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़

नारायणपुर। छत्तीसगढ़ के नारायणपुर में पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ की खबर है। जानकारी के अनुसार यहां अबूझमाड़ के जंगलों में मुठभेड़ में आठ नक्सली मारे गए हैं। मुठभेड़ में एक जवान बलिदान हो गया है और दो जवान घायल हैं। अभी मुठभेड़ जारी है। अबुझमाड़ के जंगलों में नक्सलियों के खिलाफ सुरक्षाबलों की कार्रवाई जारी है। सुरक्षाबलों ने नक्सलियों की मौजूदगी की सूचना पर सीमावर्ती जिलों के साथ मिलकर संयुक्त ऑपरेशन चलाया है। जवानों का संयुक्त ऑपरेशन अबुझमाड़ के कुतुल फरसबेड़ा कोड़तामेटा क्षेत्र में जारी है। जानकारी के मुताबिक, नारायणपुर जिले के माड़ में पिछले दो दिनों से सुरक्षा बलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ चल रही है। संयुक्त ऑपरेशन में नारायणपुर-कोंडागांव-कांकेर-दंतेवाड़ा डीआरजी, एसटीएफ और आईटीबीपी 53वीं बटालियन बल शामिल हैं। नक्सलियों के साथ मुठभेड़ में एक जवान बलिदान हो गए और दो के घायल होने की खबर है। बस्तर संभाग के जगदलपुर, कांकेर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव से डीआरजी और एसटीएफ के 1400 जवान सर्चिंग पर निकले हैं।

161 दिन के अंदर 141 नक्सली मारे गए जानकारी के लिए बता दें कि 161 दिन के अंदर 141 नक्सली ढेर हो चुके हैं। मारे गए नक्सलियों की संख्या बढ़ भी सकती है। पिछले तीन दिनों से नक्सलियों खिलाफ लगातार ऑपरेशन चल रहा है।

सीएम विष्णुदेव का नक्सली एनकाउंटर पर ट्वीट नारायणपुर जिले के ओरछा थाना के अंतर्गत फरसबेड़ा-धुरबेड़ा के बीच सुरक्षाबलों की नक्सलियों संग हुई मुठभेड़ में 8 नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। मुठभेड़ में एसटीएफ के एक जवान के शहीद होने और दो जवानों के घायल होने की भी दुःखद खबर आ रही है। घायल जवानों को तत्काल एयरलिफ्ट कर इलाज के लिए राजधानी रायपुर लाया जा रहा है।

250 मीटर गहरी खाई में गिरा टेंपो ट्रैवलर, 14 की मौत

उत्तराखंड ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग के पास हुआ हादसा

रुद्रप्रयाग। उत्तराखंड ऋषिकेश-बदरीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर रुद्रप्रयाग के समीप रैंतोली में एक वाहन दुर्घनाग्रस्त होकर 250 मीटर गहरी खाई में अलकनंदा नदी किनारे जा गिरा। इस हादसे में 14 लोगों की मौत हो गई। 10 की घटनास्थल में ही दम तोड़ दिया था। इसके अलावा दो की मौत जिला चिकित्सालय रुद्रप्रयाग और दो की मौत एम्स ऋषिकेश में हुई है। हादसे में घायल 13 लोगों में सात का जिला चिकित्सालय में इलाज चल रहा है। जबकि 5 एम्स में भर्ती हैं।हादसे का कारण वाहन चालक को झपकी आना बताया जा रहा है। साथ ही वाहन में सवार 23 लोगों में अधिकांश भी नींद में थे। शुक्रवार देर रात्रि को नई दिल्ली से अलग-अलग जगह के 23 युवाओं का दल टेंपो-ट्रेवलर में चोपता-तुंगनाथ-चंद्रशिला ट्रेकिंग के लिए रवाना हुआ था। शनिवार को ऋषिकेश-बद्रीनाथ राष्ट्रीय राजमार्ग पर पूर्वाह्न लगभग 11.30 बजे वाहन रुद्रप्रयाग के समीप रैंतोली में अनियंत्रित होकर सड़क किनारे बने आरसी पैरापिट तोड़कर सीधे गहरी खाई में अलकनंदा नदी किनारे जा गिरा। हादसे की सूचना पर प्रशाशन, पुलिस, जिला आपदा प्रबंधन, एसडीआरएफ की टीमें मौके पर पहुंची और रेस्क्यू में जुट गईं। मौके पर 10 लोग मृत मिले। अन्य 16 घायलों को लगभग दो घन्टे में गहरी खाई से सड़क में लाकर जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। घायलों में सात को गंभीर हालत के चलते केदारनाथ यात्रा में संचालित हेलिकॉप्टर से एम्स ऋषिकेश रेफर किया गया। जहां, दो की मौत हो गई। इधर, जिला चिकित्सालय में भर्ती घायलों में भी दो की मौत हो गई।

पंजीकरण जांच के लिए रोका गया था वाहन दुर्घटनाग्रस्त वाहन चारधाम यात्रा का नहीं था। इसलिए वाहन का ट्रिप कार्ड नहीं बनाया गया था। साथ ही यात्रियों का पंजीकरण भी नहीं था। ट्रिप कार्ड व पंजीकरण की बाध्यता सिर्फ चारधाम वाहनों व यात्रियों के लिए है।

इटली की पीएम ने मोदी के साथ ली सेल्फी, प्रधानमंत्री मोदी ने मेलोनी का पोस्ट किया रीट्वीट

भारत इटली की दोस्ती हमेशा बनी रहे...

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इटली के अपुलिया में आयोजित जी7 शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेने के बाद शनिवार सुबह दिल्ली लौट आए। इसके बाद इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी और नरेंद्र मोदी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल होने लगी, जिसमें जॉर्जिया, पीएम मोदी के साथ सेल्फी लेती दिख रही हैं। जॉर्जिया ने पीएम मोदी के साथ कुछ सेकेंड का एक सेल्फी वीडियो भी शेयर किया। इस वीडियो के कैप्शन में लिखा, सटी'ड्म्र्फ की तरफ से हैलो दोस्तो! पीएम मोदी ने भी इस पोस्ट को रीट्वीट किया। प्रधानमंत्री मोदी ने मेलोनी का पोस्ट फिर से रीट्वीट किया है। उन्होंने लिखा है, भारत और इटली की दोस्ती हमेशा बनी रहे। पीएम मोदी के अलावा बीजेपी के अन्य नेताओं ने भी ये तस्वीरें शेयर की हैं। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने दोनों नेताओं की तस्वीर शेयर करते हुए कहा, भारत और इटली के पारस्परिक लाभ के लिए सच्ची दोस्ती। रिजिजू ने भी सटी'ड्म्र्फ लिखा।

सोशल मीडिया पर क्यों ट्रेंड कर रहा सटी'पीएम मोदी और मेलोनी की मुलाकात के बीच सोशल मीडिया पर सटी'ड्म्र्फ ट्रेंड करने लगा। सोशल मीडिया पर मोदी और मेलोनी के नाम के अक्षरों को मिलाकर मेलोडी शब्द ट्रेंड कर रहा है। इस मजाक में खुद इटली की पीएम जॉर्जिया मेलोनी कूद पड़ी हैं। उन्होंने पीएम मोदी के साथ सेल्फी का जो वीडियो शेयर किया है, उसमें भी इस ट्रेंडिग शब्द टी'ड्म्र्फ को लिखा है। पिछले साल भी मेलोनी ने पीएम मोदी के साथ एक सेल्फी शेयर करके यही कैप्शन दिया था।

तीसरी बार पीएम बनने के बाद मोदी की पहली विदेशी यात्रा बता दें कि तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी की यह पहली विदेश यात्रा थी। वह जी7 शिखर सम्मेलन के 'आउटरीच सेशन' में शिरकत करने के लिए अपुलिया पहुंचे थे। दिल्ली लौटने के बाद पीएम मोदी ने एक्स अकाउंट पर एक वीडियो भी शेयर किया। वीडियो में पीएम मोदी की वर्ल्ड लीडर्स के बीच दीवानगी साफ देखने को मिल रही है। पीएम मोदी को दुनियाभर के शीर्ष नेताओं के मंच पर बीच में जगह दी गई। वहीं इटली पहुंचने पर जॉर्जिया मेलोनी ने उनका हाथ जोड़ नमस्ते कहकर स्वागत किया। इस दौरान वह अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन, ब्रिटिश प्रधानमंत्री ऋषि सुनकर और फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की, वैटिकन सिटी के प्रमुख पोप फ्रांसिस समेत दुनिया के कई नेताओं से मिलते नजर आए।

महेश नवमी पर इन्दौर में निकली प्रभातफेरी, माहेश्वरी समाजजन ने दिया पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण का संदेश

मातृशक्तियों ने खींचा भगवान का रथ, गूंजे जय महेश के जयकारे

सिटी चीफ इंदौर।
माहेश्वरी समाजजनों ने शनिवार को तीन संस्थाओं के संयुक्त तत्वावधान में भगवान महेश की प्रभातफेरी निकाली। इसमें बड़ी संख्या में समाजजन शामिल हुए। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण, स्वच्छता और महिला सशक्तिकरण का संदेश दिया। प्रभातफेरी में भगवान महेश का रथ मातृशक्तियों ने खींचा। इस बीच जय महेश के जयकारे गूंजे। प्रभातफेरी में मुख्य आकर्षण का केंद्र समाज के बच्चे रहे जो अपने घरों से महापुरूषों, वीरांगनाओं व भगवान की वेशभूषा में सजधज कर शामिल हुए थे। प्रभातफेरी में 9 संगठनों के साथ-साथ वैश्य समाज ने भी मंच लगाकर समाजजन का स्वागत कर यात्रा की अगवानी की।
प्रभातफेरी के पूर्व गौराकुंड जानकीनाथ मंदिर पर सुबह 5 बजे विद्वान पंडितों के सानिध्य में भगवान महेश का रुद्राभिषेक व कांकड़ आरती की गई। श्री माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला प्रचार मंत्री अजय सारड़ा ने बताया कि भगवान महेश की प्रभातफेरी श्री माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला अध्यक्ष रामस्वरूप धूत एवं सचिव मुकेश असावा के निर्देशन में निकाली गई। सुबह 7 बजे निकली प्रभातफेरी के अग्र भाग में बैंड-बाजों की स्वरलहरियों पर समाज के युवा नाचते-झूमते शामिल हुए वहीं मध्य में भजन गायक हरिकिशन साबू अपने सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देते चल रहे थे। इसके पीछे महिला मंडल भी भजन-कीर्तन करती हुई यात्रा में जल बचाओ- जीवन बचाओ का संदेश दे रही थी। प्रभातफेरी की कमान महिलाओं के हाथों सौंपी गई थी, जिसमें महिलाएं भगवान महेश का रथ अपने हाथों से खींचकर चल रही थी और मार्ग में जय महेश-जय महेश का उद्घोष कर रही थी। प्रभातफेरी के दौरान समाज की महिलाएं अपने हाथों तख्तियां लेकर सामाजिक सरोकार का संदेश भी दे रही थी जो संपूर्ण प्रभातफेरी के मार्ग में चर्चा का विषय बना रहा। प्रभातफेरी में सभी समाजजनों के लिए अलग-अलग संगठनों द्वारा स्वल्पाहार के साथ पेय पदार्थ की व्यवस्था भी की गई।

इन रास्तों से गुजरी प्रभातफेरी

भगवान महेश की प्रभातफेरी गौराकुण्ड स्थित जानकीनाथ मंदिर से शुरू होकर खजूरी बाजार, जबरेश्वर महादेव मंदिर, पीपली बाजार, जवाहर मार्ग, नृसिंह बाजार, सीतलामाता बाजार होते हुए जानकीनाथ मंदिर पहुंची, जहां इस प्रभातफेरी का समापन हुआ। समापन पर जानकीनाथ मंदिर पर भगवान महेश की आरती के बाद प्रसादी का वितरण हुआ। प्रचार मंत्री अजय सारड़ा ने बताया कि माहेश्वरी प्रगति मंडल, माहेश्वरी युवा संगठन, श्री माहेश्वरी समाज इन्दौर जिला एवं श्री माहेश्वरी साढ़े सात सौ पंचायती ट्रस्ट की मेजबानी में निकली।

झांकियों ने मोहा आमजनों का मन

अध्यक्ष रामस्वरूप धूत एवं सचिव मुकेश असावा ने बताया कि प्रभातफेरी में 2 झांकियां भी थी, जिसमें भगवान नंदी पर सवार होकर भगवान महेश सभी को दर्शन देते हुए दिखाई दे रहे थे। वहीं शेर पर विराजित माता रानी की झांकी ने भी सभी समाजजनों के साथ आमजनों का मन मोह लिया।

ये थे मौजूद

प्रभातफेरी में गिरिश सारड़ा, बंसत खटोड़, सुनील मालू, बाबू सोड़ानी, राजेश मुंगड़, देवेंद्र इणाणी, आदित्य नवाल, पवन भलिका, मनीष काबरा, नीलेश भूतड़ा, तरूण भंडारी, सुनील मालू, कैलाश जाजू, प्रहलाद सेठ, अजय राठी, दिलीप तोतला, सत्यनारायण मंत्री, घनश्याम काकाणी, लक्ष्मण माहेश्वरी, सत्यनारायण बाहेती, रचना बजाज, मुरलीधर नवाल, अमरीश दम्मानी, सुनील सोमानी, महेश राठी, लव शारदा, राधेश्याम काबरा, शिवनारायण भूतड़ा (यवतमान), राजेश गट्टानी, राजकुमार साबू, अक्षत झंवर, रजत लड्डा, राकेश जाजू, रितेश मंत्री, विशेष सारड़ा, देवेंद्र बाहेती, राधेश्याम काबरा, सुशान्त-सोनाली न्याती, दिनेश-सीमा परवाल, दिलीप तोतला, अर्चना भलिका, प्रतीक माहेश्वरी, लक्ष्मण पटवा, अमरीश दम्माणी, मुरलीधर नवाल सहित बड़ी संख्या में समाजजन उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री कल करेंगे अभियान की लांचिंग

इंदौर में 11 लाख पौधे लगाने का बनेगा वर्ल्ड रिकॉर्ड

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर। इंदौर में सफाई के बाद अब हरियाली को लेकर जन आंदोलन की तैयारी की जा रही है। इसके लिए, इंदौर में 51 लाख पौधे लगाए जाएंगे। यह अभियान 7 से 14 जुलाई तक चलेगी। अभियान की लांचिंग सोमवार को मुख्यमंत्री मोहन यादव करेंगे। नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि 14 जुलाई को एक साथ 11 लाख पौधे लगाए जाएंगे। इसके लिए गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड की टीम भी इंदौर आ रही है। इस कार्यक्रम के लिए हमने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृह मंत्री अमित शाह को भी आमंत्रण दिया है। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव ने कार्यक्रम में शामिल होने की सहमति दे दी है। विजयवर्गीय ने बताया कि 51 लाख पौधे लगाना और उन्हें जीवित रखना हमारे लिए चुनौती है, लेकिन पौधे लगाने के बाद उनकी देखभाल के लिए भी हम अलग-अलग समितियां बनाएंगे। पौधे लगाने का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इस अभियान के लिए शहर में प्रतिदिन 2 लाख गड्ढे किए जा रहे है। अलग-अलग स्थानों को हमने चिन्हित किया है।

गड्ढे खोदने के लिए खरीद रहे अर्थमूविंग मशीनें

उन्होंने कहा कि गड्ढे खोदने के लिए अर्थमूविंग मशीनें खरीद रहे है। आने वाले दिनों में रोज 2 दो लाख गड्ढे खोदे जाएंगे ताकि अभियान समय सीमा में पूरा हो। ऐसे ही झाबुआ और खंडवा सहित अन्य स्थानों से पौधे लाए जाएंगे। साथ ही बाहर से मजदूरों को भी बुलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि मप्र में हरियाली बढ़ाने के लिए शहरी वानिकीह लाने का प्रयास किया जाएगा।

असम में पिछले साल 9.21 लाख पौधरोपण का है रिकॉर्ड

गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्डस के अनुसार 24 घंटों में लगाए गए सबसे अधिक पौधारोपण रिकॉर्ड असम का है। यहां 13 से 14 सितंबर 2023 तक उदलगुरी में वन विभाग द्वारा 9.20 लाख पौधे रौपकर यह रिकॉर्ड बनाया गया था। अब 14 जुलाई को इंदौर रेवतीरेंज में 11 लाख पौधे रौपकर गिनीज बुक ऑफ द वर्ल्ड में नाम दर्ज कराएगा।

समाज के नाम से किया जाएगा नामकरण

कई समाजों के संगठनों ने हमने अभियान में जुड़ने के लिए संपर्क किया है। जो समाज जिस हिस्से में पौधे लगाएगा और उनकी देखभाल करेगा। उस हिस्से का नामकरण समाज के नाम से किया जाएगा। इसके अलावा रामायण के पात्रों के नामों पर शहर में अलग-अलग वन बनाए जाएंगे।

पुणे, छत्तीसगढ़ से मंगाए पौधे

विजयवर्गीय ने कहा कि शहर में इतने पौधे नहीं होने के कारण हमने पुणे, छत्तीसगढ़ से भी पौधे मंगाए है। इसके अलावा झाबुआ से श्रमिक भी आ रहा है, ताकि शहर में ज्यादा से ज्यादा गड्ढे हो सके। उन्होंने कहा कि इंदौर में जनभागीदारी के कारण सफाई बेहतर हो गई और इंदौर लगातार सात बार से सफाई में नंबर वन है। सफाई की तरह अब हरियाली को भी जन आंदोलन का शहर में रुप दिया जाएगा, ताकि इंदौर हरा-भरा भी हो सके। इंदौर के अलावा प्रदेश के दूसरे शहरों में भी सिटी फारेस्ट बनाए जाएंगे।

शहरी सीमा में लगाएंगे 20 लाख पौधे

इस अभियान के तहत इंदौर शहरी सीमा में 20 लाख पौधे रोपे जाएंगे। इसमें से 15 लाख नगर निगम और 5 लाख आईडीए रोपेगा। 51 लाख पौधारोपण के लिए सभी समाज के लोगों से सहभागिता करने की अपील की गई है। बता दें कि पौधारोपण अभियान के लिए रोजाना अलग-अलग क्षेत्रों में हजार गड्ढे खोदे जा रहे हैं। वन विभाग द्वारा महू, चोरल मानपुर और इंदौर में पौधे लगाए जाएंगे।

विद्यार्थियों ने रेलवर्ल्ड इंडिया पर लगाए करोड़ों की धोखाधड़ी के आरोप, डीसीपी को शिकायत करने पहुंचे

30 से 35 हजार रुपए फीस लेकर भाग गई कंपनी

इंदौर। रेलवर्ल्ड इंडिया प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के विजयनगर स्थित इंदौर ऑफिस पर शनिवार को जमकर हंगामा हुआ। स्टूडेंट्स ऑफिस पहुंचे तो वहां कोई नहीं था। स्टूडेंट्स ने आरोप लगाए के कंपनी के जिम्मेदार उनकी फीस लेकर भाग गए हैं। एक स्टूडेंट्स से 30 से 35 हजार रुपए फीस ली गई थी। बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स के साथ ठगी की गई। कुछ स्टूडेंट्स से प्रोजेक्ट के नाम पर काम भी करवाया गया लेकिन उन्हें सैलरी तक नहीं दी गई। प्रोजेक्ट में नौकरी दिलवाने का वादा भी कंपनी की तरफ से किया गया था। बाद में सभी स्टूडेंट्स एकत्रित होकर डीसीपी अभिनय विश्वकर्मा से मिलने पहुंचे। डीसीपी ने उन्हें आश्वासन दिया कि किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। रुपए वापस मिलेंगे। समस्या का निराकरण होगा।

होटल में मिली सुपरवाइजर की लाश

इंदौर। लसूड़िया थाना क्षेत्र में एक होटल में सुपरवाइजर की लाश मिली। पुलिस के मुताबिक 38 साल का तारासिंह मांगलिया की सैफ एक्सप्रेस लॉजिस्टिक कंपनी में नौकरी करता था। उसकी क्षेत्र के एक होटल में लाश मिली। मौसे पर सल्फास की गोलियां भी मिली है। होटल वालों ने ही पुलिस को घटना की सूचना दी थी। जांच में पुलिस को पता चला कि तारासिंह के साथ एक युवती भी कमरे में रुकी थी लेकिन एक घंटे के बाद वो चली गई। सीसीटीवी फुटेज में युवती कैद हुई है। युवती के जाने के बाद तारासिंह कमरे से नीचे भी आया और फिर वापस रूम में चला गया। ये सब कुछ सीसीटीवी में कैद हुआ है। मामले में पुलिस जांच कर रही है। पुलिस को तारासिंह को ब्लैकमेलिंग करने की भी आशंका है, क्योंकि सोशल मीडिया पर एडिटिंग किए हुए अश्लील फोटो तारासिंह के पुलिस को मिले हैं।

मैरिज गार्डन संचालक सहित दोनों परिवारों के खिलाफ भी केस दर्ज

बेटी को मायके नहीं भेजा तो पिता ने कर दी बाल विवाह की शिकायत

सिटी चीफ इंदौर।
नाबालिग की शादी कराने वाले पंडित और परिवार के बाद मैरिज गार्डन संचालक पर केस दर्ज किया गया है। डेढ़ महीने पहले 14 साल की लड़की और 19 साल के युवक की शादी परिवार ने कराई थी। जब ससुरालवालों ने मायके नहीं जाने दिया तो लड़की के पिता ने चाइल्ड हेल्पलाइन में शिकायत कर दी। इसके बाद बाल विवाह का खुलासा हुआ।
पुलिस ने नाबालिग दुल्हन की शादी कराने पर दोनों परिवार, घराती-बारातियों समेत 10 लोगों को आरोपी बनाया है। अब शुक्रवार शाम को मैरिज गार्डन संचालक पर केस दर्ज किया गया। लड़की का मेडिकल टेस्ट करवाया गया है। दूल्हा सहित दोनों परिवार वालों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। यदि शारीरिक संबंध पाए गए तो बालिग दूल्हे पर पॉक्सो एक्ट भी लग सकता है। दरअसल, इसी साल 25 अप्रैल को पालदा रोड स्थित सूर्य वाटिका में नाबालिग की शादी हुई। दूल्हा-दुल्हन के घर वाले और रिश्तेदार शादी में शामिल हुए। लड़की गरीब परिवार से है, जबकि लड़का संपन्न परिवार से है।

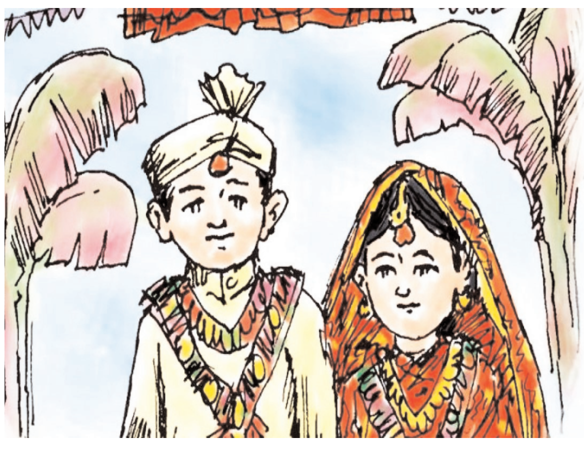

मिलने भी नहीं देते थे ससुराल वाले

शादी के बाद ससुरालवाले लड़की को मायके नहीं जाने देते थे। मायके से कोई मिलने आता तो उसे मिलने भी नहीं दिया जाता। एक-डेढ़ महीने तक ये सब चलता रहा। दोनों परिवारों में इसे लेकर फोन पर बात भी हुई, लेकिन लड़की को मायके नहीं जाने दिया। आखिरकार लड़की के पिता ने ससुराल वालों पर कार्रवाई करने का मन बनाया और 13 जून को चाइल्ड हेल्पलाइन पर शिकायत कर दी।

शादी में शामिल होने वाले दूल्हे के तीन जीजा पर भी केस

बाल विवाह में शामिल होने पर दूल्हे के 3 जीजा पर भी केस दर्ज किया है। बहनों का कहना है कि हम तो भाई की शादी के लिए मना कर रहे थे। लड़की वालों ने ही शादी करने का दबाव बनाया था। हम सबको फंसा दिया है।

जीर्णोद्धार के काम समय पर नहीं होने से पूरा पैलेस नहीं घूम पा रहे पर्यटक, 30 से 40 प्रतिशत तक काम अलग-अलग हिस्सों में अधूरा

मरम्मत के नाम पर सालभर से बंद है लालबाग पैलेस की पहली मंजिल

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर में होलकर राजपरिवार के महल लालबाग पैलेस में पर्यटकों से राशि तो पूरी ली जा रही है, लेकिन उन्हें पूरा पैलेस घुमाया नहीं जा रहा है। पैलेस की पहली मंजिल की फोटो गैलरी, राजपरिवार के कक्ष व गलियारे में सालभर से मरम्मत के नाम पर एंट्री बंद है।
लालबाग पैलेस में आठ करोड़ की लागत से काम हो किए जा रहे है। जिन एजेंसियों को ठेका दिया गया है, वे तय समय पर काम पूरा नहीं कर पा रही है। अभी भी 30 से 40 प्रतिशत तक काम अलग-अलग हिस्सों में अधूरा पड़ा है। इसका खामियाजा अलग-अलग शहरों से आने वाले पर्यटकों को भुगतना पड़ रहा है। उन्हें सिर्फ ग्राउंड फ्लोर के डायनिंग हॉल, ड्राइंग हॉल व अन्य कक्ष देखकर लौटना पड़ रहा है। 70 एकड़ में फैले लालबाग पैलेस में भारतीय पर्यटकों से 20 रुपये की एंट्री ली जाती है, जबकि विदेशी पर्यटकों से 400 रुपये लिए जाते है। पुरातत्व विभाग के संयुक्त संचालक प्रकाश परांजपे का कहना है कि समय पर काम पूरा नहीं होने पर एजेंसियों को नोटिस दिया गया है।
जल्दी ही पहली मंजिल का काम समाप्त होगा। इसके बाद पर्यटकों के लिए उसे खोल दिया जाएगा। लालबाग पैलेस परिसर 70 एकड़ में फैला हुआ है। एक समय परिसर का उद्यान लोगों के आकर्षण का केंद्र होता था। यहां संगमरमर की मूर्तियां है। होलकर राजपरिवार ने विदेशों से पौधे मंगाकर परिसर में लगाए थे। उद्यान को संवारने का जिम्मा स्मार्ट सिटी मिशन को दिया गया था, लेकिन कोई काम नहीं हुआ। परिसर में लगने वाले मेलों के कारण बाउंड्रीवाल भी जगह-जगह से टूट रही है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने ग्राम पंचायत सहित लाखों कर्मचारियों को न्यूनतम वेतन से वंचित रखने का लगाया आरोप

कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरोध में आज सरकार के खिलाफ हल्लाबोल

भोपाल। स्कूल शिक्षा, जनजातीय विभाग के तहत ग्राम पंचायतों के चौकीदार, भृत्य, पंप ऑपरेटर, स्कूलों, छात्रावासों के अंशकालीन कर्मी, योग प्रशिक्षक, मोबिलाइजर सहित प्रदेश के लाखों अल्प वेतन भोगी कर्मचारी सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के चलते न्यूनतम वेतन के दायरे से बाहर हैं। जो न्यूनतम वेतन 2,000 से 5,000 रुपये में 15 से 20 साल से नौकरी कर रहे हैं। यह बात प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने कही। उन्होंने कहा कि इस संबंध में न्यूनतम वेतन सलाहकार परिषद के श्रमायुक्त भोपाल की अनुशंसानुसार, प्रदेश के समस्त कलेक्टरों को पत्र लिखकर निराकरण करने की मांग भी की गई लेकिन सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई। पटवारी ने कहा कि सरकार की कर्मचारी विरोधी नीतियों के विरोध में 16 जून को प्रदेश स्तरीय धरना-प्रदर्शन राजधानी भोपाल में आयोजित किया जाएगा। पटवारी ने कहा कि प्रदेश में विगत 15-20 साल से चतुर्थ श्रेणी के पदों पर सरकार द्वारा भर्ती नहीं की गई है। सभी विभागों में चतुर्थ श्रेणी के लाखों पद रिक्त हैं, इन पदों पर अंशकालीन, अस्थाई, आउटसोर्स, ठेका कर्मचारी काम करते हैं। ये कर्मचारी गरीब, मजदूर एवं कमजोर परिवारों से आते हैं इन कर्मचारियों को सरकार द्वारा घोषित न्यूनतम वेतन भी नहीं मिलता, जिस कारण वे आर्थिक संकट का सामना कर रहे हैं। देश के संविधान के भाग चार राज्य की नीति के निदेशक, खंडिका 43 में राज्य द्वारा कर्मकारों के लिए उनके शिष्ट जीवन स्तर को दृष्टिगत रखते हुए मजदूरी निर्धारित करने का प्रावधान है, जिसके अंतर्गत न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 देश में प्रभावशील है। इस अधिनियम में राज्य सरकारों द्वारा अपने प्रदेशों में नियोजन वार न्यूनतम मजदूरी निर्धारित करने की शक्ति भी उन्हें प्रदत्त है।

कर्मचारियों में व्यापक स्तर पर आक्रोश व्याप्त

पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश में अक्तूबर 2014 में लागू की गई पुनरीक्षित न्यूनतम मजदूरी दरों का पुनः पुनरीक्षण पांच साल के अंदर अक्तूबर 2019 तक किया जाना अधिनियम की धारा तीन के अंतर्गत अनिवार्य था। लेकिन यह बहुप्रतीक्षित पुनरीक्षित न्यूनतम मजदूरी दरें दस साल में एक अप्रैल 2024 से राज्य सरकार की ओर से लागू की गई। इसके तहत अकुशलक को 11,800 रुपये, अर्धकुशल को 12,796 कुशल को 14,519 और उच्च कुशल को 16,144 रुपये मासिक वेतन देने का प्रावधान किया गया है। किंतु प्रदेश के ग्राम पंचायतों के चौकीदार, भृत्य, पंप ऑपरेटर, स्कूलों, छात्रावासों के अंशकालीन कर्मी, योग प्रशिक्षकों को उक्त वेतन नहीं मिला रहा है, जिससे उनमें व्यापक स्तर पर आक्रोश व्याप्त है।

प्रदेश में श्रमिक आक्रोशित होकर आंदोलन पर उतरे

पटवारी ने कहा कि कम वेतन मिलने से पूरे प्रदेश में श्रमिक आक्रोशित होकर नियोजन स्थलों में आंदोलन पर उतर आए हैं। पीथमपुर, मालनपुर, रतलाम, खरगौन, मंडीदीप तथा प्रदेश के अन्य कई स्थानों पर काम बंद कर गतिरोध की स्थिति निर्मित हुई है। ज्ञात हुआ है कि मालनपुर में श्रमिकों द्वारा चक्काजाम भी किया गया, जिससे आवागमन बाधित हुआ तथा आमजन कई घंटों तक परेशान हुए। इससे सरकारी दफ्तरों में संविदा में लगे कर्मियों में भी उथल पुथल जारी है।

श्रमिकों के लिए एक समान न्यूनतम मजदूरी दरों पर नहीं हुई कार्रवाई

पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश पिछड़ा और आदिवासी बाहुल्य तथा कल्याणकारी राज्य होने के कारण प्रदेश में क्षेत्रवार मजदूरी दरों का निर्धारण नहीं कर पूरे राज्य के सभी श्रमिकों के लिए एक समान न्यूनतम मजदूरी दरें लागू करने का निर्णय लिया गया था। इस पर आगे कोई कार्रवाई नहीं हुई। प्रदेश के लाखों श्रमिक परिवारों का जीवन निर्वाह राज्य सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम मजदूरी से होता है और वर्तमान विकट महंगाई के दौर में इन कर्मियों की लगभग 75 रुपये प्रतिदिन मजदूरी कम हो जाने से श्रमिक परिवारों के समक्ष गंभीर आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

इतिहास में पहली बार अधिसूचित न्यूनतम मजदूरी रोकी गई

पटवारी ने कहा कि मध्यप्रदेश के इतिहास में यह पहली बार है हुआ है कि अंतिम पंक्ति के लोगों को देय अधिसूचित न्यूनतम मजदूरी रोकी गई। फलस्वरूप श्रमिक तथा उद्योग जगत में असमंजस, अनिश्चय तथा उहापोह की स्थिति व्याप्त हो गई, जो बेहद चिंताजनक है। वस्तुतः श्रमिकों से संबंधित न्यूनतम मजदूरी तथा अन्य विषय त्रिपक्षीय समितियों यथा मप्र. श्रम सलाहकार परिषद तथा न्यूनतम मजदूरी सलाहकार परिषद एवं अन्य सलाहकार समितियों में विचारोपरांत हल किए जाने की विधिमान्य प्रक्रिया है। सरकार उक्त प्रक्रिया पर अपनाकर श्रमिकों के साथ तत्काल न्याय करें।

45.3 डिग्री तापमान के साथ प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा छतरपुर

कई जिलों में बारिश से राहत, प्रदेश में दो दिन बाद झमाझम के आसार

भोपाल। मध्यप्रदेश में दो दिन के बाद झमाझम बारिश का दौर शुरू हो जाएगा। मौसम विभाग का कहना है कि 18 जून से मानसून मध्यप्रदेश में प्रवेश की दिशा बदल सकता है। शनिवार को छिंदवाड़ा उमरानाला में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। रायसेन, बुरहानपुर और धार के अलावा कई जिलों में प्री-मानसून की बारिश हुई। प्रदेश में सबसे गर्म शहर छतरपुर रहा। यहां का तापमान 45.3 दर्ज किया गया। इधर, मौसम विभाग ने भोपाल, विदिशा, देवास, नीमच, खरगौन, इंदौर, शाजापुर में 15 को तेज आंधी-तूफान का अलर्ट जारी किया है।

मध्यप्रदेश में भीषण गर्मी के चलते लोग बारिश का इंतजार कर रहे हैं। अब उनका यह इंतजार खत्म होने वाला है। जल्द ही मध्यप्रदेश बारिश से तर हो जाएगा। मौसम वैज्ञानिकों से मिली जानकारी के अनुसार, प्रदेश में पहले मानसून दक्षिणी हिस्सों में दस्तक देगा। फिर पूरे प्रदेश में झमाझम बारिश होगी। हालांकि, दो दिन राजधानी भोपाल सहित प्रदेश के कई इलाके गर्मी से तपेंगे।

10 साल में पहली बार जल्दी शुरू हुई बारिश

केरल के कोट्टायम जिले के कई इलाकों में मानसून की पहली बारिश भी हो चुकी है। यह 10 साल में पहला मौका है, जब जल्दी बारिश शुरू हुई है। मौसम विभाग के मुताबिक, 11 महीने बाद अलनीनो खत्म हो गया है और अब ला नीना विकसित हुआ है। इस बार 'ली-नीना' के असर से मानसून को रफ्तार मिली है और यह समय से डेढ़ दो दिन पहली ही भारत पहुंच गया। मौसम वैज्ञानिकों का यह भी कहना है कि इस बार मानसून मध्यप्रदेश में प्रवेश की दिशा बदल सकता है। दरअसल, मानसून अरब सागर और बंगाल की खाड़ी से एंट्री लेता है। इस बार अरब सागर के मानसून की गति में गिरावट आई है। अब बंगाल की खाड़ी से मानसून की मध्यप्रदेश में एंट्री हो सकती है। धीरे-धीरे मानसून मध्यप्रदेश की ओर बढ़ेगा और 18 जून को सूबे में धमाकेदार एंट्री लेगा।

प्रदेश में आज कहीं गर्मी तो कहीं गरज-चमक का अलर्ट

मध्यप्रदेश में 16 जून को सीधी-सिंगरौली रीवा में गर्मी का अलर्ट जारी किया गया है। वहीं, इंदौर, भोपाल, झाबुआ, अलीराजपुर, बड़वानी, धार, खरगोन, खंडवा, बुरहानपुर, हरदा, राजगढ़, विदिशा, सीहोर, रायसेन, नर्मदापुरम, बैतूल, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला, बालाघाट और पन्ना आंधी बारिश का अलर्ट जारी किया गया। जबकि शाजापुर, देवास, छतरपुर, सागर, दमोह, जबलपुर, कटनी, डिंडोरी में आंधी और गरज-चमक का येलो अलर्ट है।

दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम एक्टिव

भोपाल मौसम विभाग के सीनियर वैज्ञानिक वेद प्रकाश ने बताया कि 10 से 14 जून के बाद मानसून स्थिर है। इससे वह कमजोर हो गया है। इसलिए मध्यप्रदेश में इंतजार करना पड़ेगा। वर्तमान में दो साइक्लोनिक सकुर्लेशन सिस्टम एक्टिव है। दक्षिण हिस्से में बारिश और तेज हवा की स्थिति बनी हुई है। यहां हवा की गति भी अधिक है। उत्तर-पश्चिमी हिस्से में भी ऐसी स्थिति बन रही है। इसलिए मानसून आने के पहले आंधी, गरज-चमक और बारिश की स्थिति बनी रहेगी।

छह रूटों पर नहीं चलीं लो-फ्लोर बसें, पीएफ की राशि जमा नहीं करने से भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड के कर्मचारी नाराज

बीसीएलएल के 450 चालक और परिचालक बेमियादी हड़ताल पर

सिटी चीफ भोपाल। पीएफ की राशि कंपनी द्वारा जमा नहीं करने से नाराज भोपाल सिटी लिंक लिमिटेड (बीसीएलएल) के 450 चालक और परिचालक अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। इससे 149 बसों के पहिए थम गए हैं। इस आंदोलन से राजधानी भोपाल के छह रूटों पर हजारों यात्रियों की परेशानी बढ़ गई है। लगातार दूसरे दिन शनिवार को भी बसें नहीं चलाई गईं। बागसेवानिया डिपो में चालक और परिचालकों ने जमकर विरोध प्रदर्शन कर बीसीएलएल और बस आपरेटर के खिलाफ नारेबाजी की। बीसीएलएल के चालक और परिचालकों का कहना है कि हम सुबह से लेकर रात तक मेहनत करके पसीना बहाते हैं। बीसीएलएल और बस आपरेटर के बीच के आपसी मतभेद का खामियाजा कर्मचारियों को भुगतना पड़ रहा है। बस आपरेटर मां एसोसिएट ने कर्मचारियों को पीएफ और ईएसआईसी का पैसा पिछले दो-तीन साल से जमा नहीं करा है। यह अनिश्चितकालीन हड़ताल तब तक जारी रहेगी, जब तक चालक और परिचालकों के पीएफ और ईएसआइसी का पैसा खाते में जमा नहीं होता। उधर, इस संबंध में बीसीएलएल के पीआरओ संजय सोनी का कहना है कि कर्मचारी और बस आपरेटर से बात करके हड़ताल को खत्म करने की कोशिश कर रहे हैं।

कर्मचारियों ने चार-छह महीने पहले भी पीएफ और ईएसआइसी की राशि जमा नहीं होने पर हड़ताल की थी। लेकिन बीसीएलएल ने इस मामले शांत करवा दिया था। इस बार भी बीसीएलएल के अफसर 10 दिन की मोहलत मांग रहे हैं। उनका कहना है कि बस आपरेटर से बात करके दो-दो महीने में चालक और परिचालकों की राशि खाते में जमा करवा दी जाएगी। लेकिन कर्मचारियों ने मिलकर निर्णय लिया है कि जब तक राशि जमा नहीं होती हड़ताल जारी रहेगी।

इसलिए नहीं जमा हो पा रही पीएफ और ईएसआइसी की राशि

अधिकारियों से मिली जानकारी के अनुसार, बीसीएलएल से बस आपरेटर को आठ करोड़ 80 लाख रुपये लेना है। वह राशि का पेमेंट नहीं कर रहा है। इस कारण चालक और परिचालकों के पीएफ और ईएसआइसी की राशि जमा नहीं हो पा रही है। सभी कर्मचारियों ने मिलकर निर्णय लिया है कि कहीं जाकर ज्ञापन नहीं देंगे। कर्मचारी डिपो पर हड़ताल पर रहेगी, यहीं पर प्रदर्शन करेंगे।

इन रूटों बंद है बसों का संचालन

गांधी नगर से अयोध्या बाइपास, ईदगाह हिल्स से लेकर भोपाल एम्स, पुतलीघर से बंगरासिया, कोकता से लालघाटी, कोच फैक्ट्री से बैरागढ़ चीचली, आकृति इको सिटी से चिरायु अस्पताल तक चलने वाली लो-फ्लोर बसों के हजारों यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। यात्री अपने गंतव्य तक पहुंचने के लिए आटो और अन्य चालकों से लिफ्ट लेकर पहुंचे।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में लगातार अनियमतिताओं से विद्यार्थी परेशान

एक साल से नहीं हुई एम फार्मा की परीक्षा, भूख हड़ताल पर बैठे छात्र

सिटी चीफ भोपाल। राजधानी भोपाल के बरकतउल्ला विश्वविद्यालय में लगातार हो अनियमित्ताओं ने छात्रों को परेशान कर रखा है। विश्वविद्यालय प्रशासन की एक नई चूक देखी गई है, जिसके खिलाफ छात्रों ने अब मुहीम छेड़ दी है। विश्वविद्यालय में संचालित एम फार्मा कोर्स जो की दो साल का होता है उसकी परीक्षाएं पिछले एक साल से आयोजित नहीं की जा रही हैं। जिसके चलते 14 तारीख को छात्र विश्वविद्यालय के कुलपति एसके जैन से मिलने पहुंचे थे, लेकिन दोपहर 12 बजे से इंतजार करते करते शाम के 5 बज गए पर कोई भी प्रशासनिक अधिकारी छात्रों से मिलने और उनकी समस्याएं जानने के लिए नहीं आया। बरकतउल्ला विश्वविद्यालय एनएसयूआई अध्यक्ष विकास ने उनकी मांगे पूरी न होने तक अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल की घोषणा की है और विश्वविद्यालय प्रशासन को ये चेतावनी दी है की जल्द से जल्द परीक्षा आयोजित करने की अधिसूचना जारी की जाए, कुलपति के केबिन के बाहर छात्र मिलकर अपना धरना प्रदर्शन कर रहे हैं और आमरण अनशन पर बैठे हुए हैं। एनएसयूआई जिलाध्यक्ष अक्षय तोमर ने बताया है कि विगत 6 महीने से एनएसयूआई ने ज्ञापन के जरिये वीवी प्रशासन को जागने का काम कर रही है परंतु कुलपति अपने हठधर्मिता के चलते छात्रों को मानसिक रूप से प्रताड़ित करने का काम कर रहे है, वही दूसरी और 100 करोड़ रुपये की राशि को अपनी झोली में डालने के लिए आये दिन मीटिंग और राजभवन के चक्कर काट रहे है , छात्रों को यदि मिलना भी होता है तो कुलपति के मुख्य द्वार पर नोटिस चस्पा है जिसमे पहले बागसेवनिया थाना जाना पड़ता है उसके बाद ही वे कुलपति से मिल पाते है जिसकी वजह से छात्र अपनी बात रखने में असहज महसूस करते है।

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय एनएसयूआई अध्यक्ष विकास ठाकुर का कहना है की परीक्षा आयोजित न होने का कारण उनके द्वारा बार बार विश्वविद्यालय की नीतियों में सुधार करने की मांग कर रहे है।

छात्रों की अटेंडेंस कम है इसलिए परीक्षाओं पर रोक

बीयू फामेर्सी विभाग की विभागध्यक्ष रागिनी गोठलवाल का कहना है की छात्रों की अटेंडेंस कम है इसलिए परीक्षाएं आयोजित नहीं हो रहीं। वही छात्र ये दावा कर रहे हैं की हमारी इतनी उपस्थिति विभाग में है की हमारी परीक्षाएं कराई जा सकती हैं, इसके अलावा विभागध्यक्ष ने छात्रों के घरों में उनका एडमिशन निरस्त किया गया है।यह लैटर भेजा है जो की पूरी तरह से नियमों का उलंघन करता है। छात्रों की भूखहड़ताल विश्वविद्यालय प्रशासन के खिलाफ निरंतर जारी है छात्र विनोद प्रजापति, दीपक जाटव, लबोनी डे, शिवम् प्रजापति, अभय पाण्डेय, ओम गुप्ता, राजीव भूखहड़ताल में मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

आठ करोड़ में जमीन का अनुबंध कर किसान से की धोखाधड़ी, प्रकरण दर्ज

सिटी चीफ भोपाल। कॉलोनी काटने का झांसा देकर दो व्यक्तियों ने एक किसान के साथ करीब डेढ़ करोड़ रुपये की ठगी कर ली। पहले उन्होंने किसान को प्रोजेक्ट में भागीदार बनने को राजी किया, फिर जमीन आठ करोड़ में खरीदने के लिए अनुबंध कर लिया। अनुबंध के आधार पर उसी जमीन पर पांच करोड़ का लोन भी स्वीकृत करा लिया। उसके बाद बंधक रखे डेढ़ करोड़ कीमत के भूखंड विक्रय भी कर दिए। शिकायत की जांच के बाद शाहजहांनाबाद थाना पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का केस दर्ज कर लिया है। प्रोजेक्ट में एक-तिहाई हिस्सेदारी का दिया था झांसाशाहजहांनाबाद थाना पुलिस के मुताबिक चूना भट्टी में रहने वाले 55 वर्षीय उत्तम सिंह रघुवंशी किसानी करने के साथ अचल संपत्ति खरीदने-बेचने का भी काम करते हैं। वर्ष 2012 में उन्होंने भवन निर्माण का काम करने वाले मनीष वर्मा और युगल किशोर से कोलार स्थित अपनी लगभग पांच एकड़ जमीन पर कॉलोनी बनाने के लिए अनुबंध किया था। तब तय किया गया था कि कालोनी का विकास करने के बाद के भूखंड बिकने पर मुनाफे के तीन हिस्से कर लिए जाएंगे। मनीष और युगल ने कॉलोनी का विकास करने के बजाय जमीन उन्हें विक्रय करने की बात की। सहमत होते हुए उत्तम रघुवंशी ने परी बाजार स्थित रजिस्ट्रार कार्यालय में 8.80 करोड़ रुपये में जमीन बेचने का अनुबंध कर लिया। इस अनुबंध में यह तय हुआ था कि आठ करोड़ देने पर जमीन की रजिस्ट्री करा दी जाएगी।

अनुबंध के आधार पर मनीष और युगल ने एक निजी फाइनेंस कंपनी से जमीन पर पांच करोड़ का ऋण स्वीकृत करा लिया। जमीन बंधक रखी होने के बाद भी उन्होंने डेढ़ करोड़ रुपये कीमत के दो भूखंड बेच भी दिए। समय पर ऋण की किस्त नहीं भरने पर जब फाइनेंस कंपनी का नोटिस पहुंचा, तब जमीन मालिक रघुवंशी को धोखाधड़ी का पता लगा। पहले उन्होंने ऋण का मसला सुलझाकर बंधक जमीन को मुक्त कराया। उसके बाद थाने में शिकायत दर्ज कराई।

साइबर ठगों के निशाने पर हैं बीमा कंपनियों के उपभोक्ता

भोपाल। ठग कई तरीकों से देते हैं झांसा। अब तक बैंक खाताधारकों को ठगी का शिकार बनाने वाले साइबर ठगों के निशाने पर अब देश के बीमा पालिसीधारक भी आ गए हैं। साइबर ठगों के पास पालिसियों की पूरी जानकारी है, जिसके आधार पर वे पालिसीधारकों को फोन कर उनके द्वारा चुकाई जा रही किस्त का कमीशन उन्हीं की पालिसी में जुड़वाने का झांसा दे रहे हैं। पूरी जानकारी के आधार पर उपभोक्ता को विश्वास में लेने के बाद पालिसी की परिपक्वता राशि बढ़ा देने के नाम पर भी रुपये ट्रांसफर करवाते हैं। राजधानी में साइबर सेल के पास ऐसे व्यक्ति पहुंचे हैं, जो सतर्कता के चलते ठगी से बच गए। उनकी शिकायत के बाद ठगों के नई तरीके से जाल बिछाने की जानकारी सामने आई है। देश के करोड़ों बीमा पालिसी धारकों का डेटा साइबर ठगों के हाथ लग गया है। इसकी मदद से वे बीमा धारकों को कंपनी अधिकारी बनकर फोन लगा रहे हैं। फर्जी अधिकारी पालिसीधारक को उनकी पालिसी का क्रमांक, पालिसी जारी होने की तिथि और किस्त राशि की पूरी जानकारी देकर विश्वास में ले लेते हैं। फर्जी बीमा कंपनी अधिकारी बने ठग पालिसीधारक से पूछते हैं कि आपने जिस एजेंट के माध्यम से पालिसी ली थी क्या वह किस्त जमा करने में आपकी मदद करता है? अधिकतर लोग खुद किस्त जमा करने की बात करते हैं, तब उन्हें बताया जाता है कि आपकी प्रत्येक किस्त की राशि से एजेंट को कमीशन जा रहा है।

सम्पादकीय

निशाने पर चुनाव, जम्मू कश्मीर में आतंकी घटनाओं का यही कारण है

जम्मू-कश्मीर में पिछले दिनों एक के बाद एक चार आतंकी हमलों ने सुरक्षा बलों और सरकारी हलकों में ठीक ही चिंता जगाई है। ये हमले न सिर्फ आतंक के पैटर्न में बदलाव का संकेत हैं बल्कि देश-दुनिया को यह संदेश देने की भी कोशिश है कि कश्मीर में सब कुछ ठीक नहीं है। यह संयोग नहीं हो सकता कि इन हमलों की शुरुआत के लिए 9 जून की तारीख को चुना गया। वह दिन जब लोकसभा चुनावों के बाद नरेंद्र मोदी सरकार ने नया कार्यकाल शुरू किया। जाहिर है, जम्मू-कश्मीर में लोकसभा चुनाव शांतिपूर्वक संपन्न होना और उसमें लोगों की उत्साहपूर्ण भागीदारी दिखना आतंकवादी तत्वों को रास नहीं आया। यह अनुच्छेद 370 के तहत जम्मू-कश्मीर को हासिल विशेष दर्जा खत्म किए जाने के बाद पहला चुनाव था। अब 30 सितंबर से पहले वहां विधानसभा चुनाव करवाए जाने हैं। आतंकवादियों और उनके आकाओं का अगला लक्ष्य चुनाव की प्रक्रिया में जहां तक हो सके बाधा पहुंचाना ही हो सकता है। सुरक्षा बलों ने आतंकियों की नकेल कसने के जो प्रयास पिछले कुछ वर्षों में किए हैं, उनका असर आतंकी घटनाओं में आई कमी में ही नहीं, आतंकियों की लगातार बदलती रणनीति में भी दिखती है। पहले आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग का सहारा लेते हुए आम लोगों को निशाना बनाने की कोशिश की, जो उनके लिए सॉफ्ट टारगेट हो सकते थे। अब घाटी में सुरक्षा बलों के कड़े बंदोबस्त को देखते हुए जम्मू के उन इलाकों में गतिविधियां बढ़ाई गई हैं जो लंबे समय से शांत और आतंकवाद से मुक्त माने जाते रहे हैं। गौर करने की बात यह भी है कि आतंकियों ने रियासी में तीर्थयात्रियों से भरी बस को निशाना बनाया। चरम उग्रवाद के दौर में भी जम्मू-कश्मीर में टूरिस्टों और अमरनाथ यात्रा को निशाना बनाने से बचने का ट्रेंड दिखता था। वजह यह बताई जाती थी कि इससे राज्य की टूरिज्म पर आधारित इकॉनमी का नुकसान होगा। लेकिन सीमा पार से संचालित आतंकवादियों से ऐसे संयम और सोच की अपेक्षा नहीं की जा सकती। आशंका है कि आगे चलकर ऐसे हमले और बढ़ सकते हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ और

कामकाजी पेशेवरों की सतर्कता को मिलती है धार, लेकिन इसका नशा हमेशा फायदेमंद नहीं

कॉफी पीने से नींद भाग जाती है। इससे शरीर में ऊर्जा का स्तर बढ़ जाता है। थकान दूर होती है और एकाग्रता भी बढ़ती है। जब बात अपनी प्रिय कॉफी की हो, तो व्यक्ति इसके सभी फायदे एक ही सांस में गिना जाता है। अमेरिका में मनुष्य के पोषण को लेकर एक सुपरस्टडी की गई, जिसमें भी कॉफी के कई फायदे गिनाए गए।

इस अध्ययन के अनुसार, कॉफी पीने से कैंसर का खतरा दो से बीस फीसदी तक कम हो जाता है। हृदय रोग की आशंका पांच फीसदी तक कम हो जाती है। टाइप-2 मधुमेह और पर्किंसंस रोग की आशंकाएं भी करीब तीस फीसदी तक कम हो जाती हैं। इस रिपोर्ट में यह तक माना गया कि कॉफी पीने से व्यक्ति ज्यादा उम्र तक भी जीता है। यह सब सुनकर यकीनन आपको अच्छा लग रहा होगा, लेकिन अगर आप यह मानने लगे हो कि कॉफी अमृत है, तो थोड़ा संभलें।

कॉफी के कुछ फायदे जरूर हैं, लेकिन इसके अति सेवन से नुकसान भी पहुंच सकता है। अति व्यस्त कामकाजी पेशेवर अपनी सतर्कता को धार देने के लिए कॉफी की मदद लेते हैं। लेकिन कॉफी का यह जो नशा है, वह हमेशा फायदेमंद नहीं होता।

दरअसल, हम जब दिन भर काम करते हैं, तो हमारा शरीर ज्यादा से ज्यादा एडेनोसिन रसायन का उत्पादन करता है। शरीर में यह रसायन जितना बढ़ता है, उतनी ही ज्यादा हमें नींद आती है। फिर जब हम सोते हैं, तो हमारा शरीर ऊर्जा का उपयोग करके एडेनोसिन के स्तर को कम कर देता है, जिससे हम हर सुबह तरो-ताजा होकर उठते हैं।

न्यूरोसाइंस के जर्नल में प्रकाशित एक शोध के अनुसार, जब हम कैफीन पीते हैं, तो यह एडेनोसिन को अपना काम करने से रोकता है, यानी नींद को भगाता है। आप रात में सो नहीं पाते, जिससे दिन भर सुस्ती बनी रहती है। जब आप सुस्त होते हैं, तो आप फिर कॉफी पीना पसंद करते हैं। इस तरह, जब आप काफी मात्रा में कॉफी पीने लगते हैं, तो यह परेशानी का एक चक्र बन जाता है। ध्यान रखें कि नींद कम होने पर आने वाली सुस्ती को पूरी दुनिया की कैफीन मिलकर भी दूर नहीं कर सकती। मतलब, कॉफी और नींद के बीच यह अंतहीन लड़ाई की तरह है। कॉफी से मिलने वाली ऊर्जा कुछ राहत तो दिला सकती है, लेकिन कैफीन कभी भी प्राकृतिक ढंग से होने वाले लाभों की जगह नहीं ले सकती। अगर आप अच्छा नाश्ता करें, अच्छी नींद लें, व्यायाम करें और सुबह-सुबह करीब दस मिनट तक प्राकृतिक धूप का आनंद लें, तो आपको काफी कॉफी पीने की जरूरत ही नहीं होगी।

एक बत्तख का दिलकश फसाना, समंदर किनारे मौज-मस्ती से लेकर क्वैकचैट तक

कार्टून किरदार डोनाल्ड डक से कार्टून देखने वाला भला कौन-सा बच्चा परिचित नहीं होगा? जब टेलीविजन आया, तो हर रविवार मिकी माउस के साथ जिस कार्टून चरित्र का सबसे ज्यादा इंतजार रहता था, वह था डोनाल्ड डक। लेकिन क्या आपको पता है कि आपका प्यारा डोनाल्ड डक 90 साल का हो गया है? लेकिन वह बूढ़ा नहीं हुआ। आपको यह जानकर भी आश्चर्य होगा कि डोनाल्ड डक पहली बार सहायक चरित्र के रूप में एक कार्टून फिल्म द वाइज लिटल हेन में दिखा था। लेकिन इस पात्र को लोगों ने इस कदर पसंद किया कि वह जल्द ही मुख्य भूमिका में आ गया। वर्ष 1934 में फिल्मी पर्दे पर अपनी उपस्थिति के कुछ वर्षों के भीतर ही डोनाल्ड डक तत्कालीन महान अभिनेत्रियों शर्ली टेंपल या ग्रेटा गार्बो के बराबर का सितारा माने जाने लगा था। उसकी लोकप्रियता डिज्नी की 1939 की एनिमेटेड लघु फिल्म द ऑटोग्राफ हाउंड में स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, जिसमें उस वक्त के हॉलीवुड की ए-सूची के अभिनेता ने डोनाल्ड का ऑटोग्राफ लेने के लिए अपने स्टूडियो में फिल्म की शूटिंग छोड़ दी थी। डोनाल्ड डक के रचयिता वाल्ट डिज्नी खुद 1940 तक डोनाल्ड डक को अपने 'अस्तबल का गेबल' कहने लगे थे। दरअसल डोनाल्ड डक की लोकप्रियता को हॉलीवुड के सुपरस्टार क्लार्क गेबल के साथ जोड़ा गया, जो उस समय एमजीएम स्टूडियो में सबसे बड़ा नाम था।

1940 के दशक में डोनाल्ड डक पूरी दुनिया के लिए आइकन बन चुके थे। यूरोप और अमेरिका में बच्चों की किताबों से लेकर द्वितीय विश्वयुद्ध के दौरान अमेरिकी सरकार के घरेलू प्रचार तक में डोनाल्ड डक छाया रहा। डोनाल्ड को उन कार्टूनों में अभिनय करते हुए दिखाया गया, जो अमेरिकियों को युद्ध को समर्थन देने की खातिर प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए थे। इन लघु एनिमेशन फिल्मों में लोगों को अमेरिका के सरकारी बॉन्ड में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित करने से लेकर हिटलर को सनकी तानाशाह बताकर उसका उपहास उड़ाने तक की बातें शामिल हैं। बाद वाली लघु एनिमेटेड फिल्म डेर फ्यूहरर्स फेस ने डोनाल्ड को 1943 में पहला ऑस्कर दिलाया, हालांकि जापानी लोगों के व्यंग्यात्मक चित्रण के कारण उसकी तबसे काफी आलोचना होती रही है।

डोनाल्ड डक आज भी उतना ही लोकप्रिय है, जितना वह बीसवीं सदी के मध्य में था। मीडिया शोधकर्ता क्रिस रोजेक ने मशहूर हस्तियों के वर्गीकरण में डोनाल्ड डक का भी उदाहरण दिया है। डक एक आदर्श मशहूर हस्ती का प्रतिनिधित्व करता है, जो एक काल्पनिक किरदार है और %लोकप्रिय संस्कृति (पॉपुलर कल्चर) की एक संस्थागत विशेषता है।% डिज्नी के अन्य किरदारों के विपरीत डोनाल्ड की कहानियां वर्तमान में घटित होती हैं और दर्शकों एवं पाठकों के लिए समकालीन होती हैं। महिला किरदारों के साथ उसके रिश्ते में यह बात साफ झलकती है।

डोनाल्ड के प्रारंभिक दिनों में महिला किरदारों को अक्सर सुंदरता, घरेलूपन और पितृसत्ता की अधीनता को दर्शाने तक ही सीमित रखा जाता था, जो दुनिया भर की महिलाओं के अनुभवों को दर्शाता था। उदाहरण के लिए,

डेजी डक को मूल रूप से कभी भी अपनी नौकरी करते हुए या किसी कॅरिअर में नहीं दिखाया गया है, इसके विपरीत डोनाल्ड डक को कई तरह के रोजगार में दिखाया गया है, जिनमें निजी जासूस, डाक कर्मचारी और सेल्समैन सहित कई नौकरियां शामिल हैं। हालांकि हाल के वर्षों में आधुनिक दुनिया को प्रतिबिंबित करने के लिए महिला पात्रों का विकास हुआ है। इसमें डोनाल्ड की बहन डेला डक जैसे पात्रों को पहली बार कथानक में उपस्थित करना भी शामिल है। डेला एक कुशल पायलट है, जिसे अक्सर एक्शन दृश्यों के बीच में देखा जा सकता है और कॉमिक बुक सीरीज डकटेल्स (2018) के कथानक के साथ-साथ इसी नाम से बने टेलीविजन शो के लिए भी वह एक अनिवार्य किरदार है। इन कहानियों में डेला डक, डेजी डक और अन्य महिला किरदारों के पास एजेंसी है और वे मुख्य पात्र हैं और महज पुरुष पात्रों का समर्थन करने के लिए नहीं हैं।

इस बात में कोई दो राय नहीं कि डोनाल्ड डक सुदूर आकाशगंगा (दूसरी दुनिया) से आने वाले एलियन या %एक समय की बात है जैसी कहानियों के राजकुमार या राजकुमारियों की तुलना में ज्यादा भरोसेमंद किरदार है। इसकी वजह यह है कि डोनाल्ड या उसके दोस्त रोजमर्रा की उन्हीं चुनौतियों का सामना करते हैं, जिनसे हम दो-चार होते हैं और वे उन्हीं खुशियों का आनंद लेते हैं, जिनकी अनुभूति हमें होती है। उन्हें भी हमारी तरह ट्रैफिक जाम, नौकरी से असंतुष्टि का सामना करना पड़ता है और उन्हें भी हमारी तरह समुद्री इलाके में छुट्टी मनाना या उत्सव या समारोह में परिवार के लोगों के साथ मिलना-जुलना या इसी तरह की चीजें अच्छी लगती हैं। इसलिए डोनाल्ड जिस स्थिति में खुद को पाता है, दर्शकों के लिए उसके साथ सहानुभूति रखना, उसे पहचानना और उसकी भावनाओं को समझना मुश्किल नहीं लगता है। दर्शक उसके दुख-सुख के साथ अपने जीवन की घटनाओं को जोड़ने लगते हैं। पिछले 90 वर्षों से दर्शकों के साथ डोनाल्ड के अनुभवों का यही जुड़ाव इसकी सफलता और लोकप्रियता का महत्वपूर्ण कारण रहा है। डोनाल्ड डक के किरदार के लिए प्रासंगिक कुंठाएं उसकी कहानियों के महत्वपूर्ण विषय रहे हैं। 1930, 1940 और 1950 के दशक में जिन एनिमेटेड लघु फिल्मों में डोनाल्ड ने अभिनय किया था, उनमें डोनाल्ड ने रेडियो और टेलीविजन के तकनीकी विकास का आनंद उठाया। और डकटेल्स में उसके सबसे हालिया एनिमेडेट प्रदर्शन में डोनाल्ड के किरदार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म क्वैकचैट का उपयोग करते हुए दिखाया गया है, जो निश्चित रूप से स्नैपचैट की नकल है।

डोनाल्ड डक पूरी दुनिया में हमेशा से लोकप्रिय है, क्योंकि वह आम आदमी की तरह है, हर कोई उसे अपने निजी सुख-दुख से जोड़कर देखता है। दुनिया भर के लोग आज भी उससे अपना जुड़ाव महसूस करते हैं और जीवन की कठिनाइयों के प्रति गुस्से में उसके नखरे को देखकर उस पर हंसते हैं। वह हमें अपनी कुंठाओं को %द सिम्पसन% के होमर सिम्पसन या %फैमिली गाय% के पीटर ग्रीफिन जैसे वयस्क कार्टून के सितारों के साथ तुलनात्मक रूप से प्रस्तुत करने का एक तरीका प्रदान करता है। जब तक डोनाल्ड डक समाज के साथ अपना तालमेल बनाए रखेगा, और जब तक उस बदलती हुई दुनिया को प्रतिबिंबित करता रहेगा, जिसमें हम सब रहते हैं, तब तक इस डक (बत्तख) के हमारे जेहन से उड़कर कहीं और चले जाने की कोई आशंका नहीं है।

प्रधानमंत्री खुद को कितना बदल पाएंगे

क्या शासन शैली में भी आएगा परिवर्तन!

करीब एक साल पहले यानी 1 जुलाई, 2023 को इसी पेज पर छपे एक लेख में मैंने लिखा था कि मुझे भारतीय लोकतंत्र में बदलाव की उम्मीद है। मुझे लगता था कि लोकसभा में किसी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिलेगा। हमारे वर्तमान प्रधानमंत्री स्वाभाविक रूप से सत्तावादी हैं। उनकी पार्टी को आम चुनावों में दो बार मिले बहुमत से उनके व्यक्तित्व के इस पहलू को बल मिला है। हालांकि जुलाई 2023 में या उसके कुछ महीनों बाद तक मैं संशय में था कि यह उम्मीद सच होगी या नहीं। फरवरी, 2024 में 'फॉरेन अफेयर्स' में छपे एक लेख में प्रधानमंत्री की नीतियों की आलोचना की गई थी। मैंने टिप्पणी करते हुए कहा था कि 'इंडिया' गठबंधन को मोदी और भाजपा को सत्ता से हटाने के लिए बहुत संघर्ष करना पड़ेगा। हां, इतनी उम्मीद की जा सकती है कि 'इंडिया' गठबंधन संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध जरूर लगा सकता है।

उसके कुछ समय बाद उत्तर भारत को बहुत करीब से जानने वाले पत्रकार अनिल माहेश्वरी ने मुझे बताया कि विपक्ष न सिर्फ संसद में भाजपा के बहुमत में सेंध लगाएगा, बल्कि उसे खत्म भी कर देगा। 25 फरवरी, 2024 को अनिल माहेश्वरी ने मुझे लिखा, मैं इस बात को लेकर डरा हुआ हूं कि आपकी उम्मीद गलत हो सकती है। वामपंथी और उदारवादी जमीनी हकीकत को समझ नहीं पाए और भाजपा को लगभग 230 सीटें मिल सकती हैं। एक सप्ताह बाद फिर माहेश्वरी ने यह लिखा, मोदी अपने राजनीतिक स्वभाव में तानाशाही गुणों के साथ अनिर्णय से ग्रस्त हैं। यह बात मेरे इस कथन को मजबूत करता है कि भाजपा की ताकत 230 सीटों तक कम हो सकती है। 18 मार्च को माहेश्वरी ने पुन- मुझे एक ई-मेल भेजा, जिसमें लिखा था, भाजपा को 230 सीटें मिलेंगी, जिनमें उत्तर प्रदेश में 80 में से 30 सीटें शामिल हैं। राहुल गांधी की क्षमताओं के बारे में मेरे मन में कई तरह की आशंकाएं हैं, फिर भी वह एकमात्र ऐसे गैर-भाजपाई नेता हैं, जो सड़क पर उतरे हैं और अच्छी-खासी भीड़ को अपनी ओर खींचने में सफल रहे हैं। अनिल माहेश्वरी ने चुनाव शुरू होने से एक महीने पहले यह भविष्यवाणी कर दी थी।

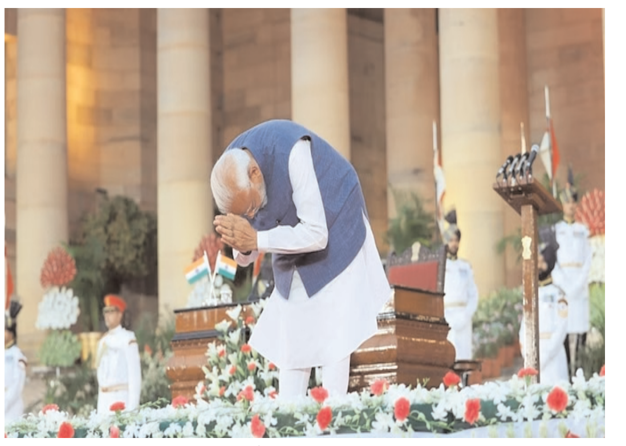

जुलाई, 2023 में मैंने आशा के विपरीत उम्मीद जताते हुए कहा था कि गठबंधन की सरकार आएगी। भारत बहुत बड़ा और विविधताओं वाला देश है। इसे सहयोग और सलाहों के बिना चलाया ही नहीं जा सकता है। हालांकि संसद में ज्यादा बहुमत होने से सत्ता पक्ष में अहंकार आ जाता है। बहुत अधिक बहुमत वाला प्रधानमंत्री अपने कैबिनेट के सहयोगियों के साथ अच्छा व्यवहार नहीं करता है, विपक्ष का अनादर करता है, प्रेस पर लगाम लगाता है, संस्थानों की स्वायत्तता को खत्म करता है और नहीं तो कम से कम राज्य के हितों और अधिकारों की अनदेखी करता है। खासतौर पर उन राज्यों की, जहां किसी और पार्टी का शासन रहता है। नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने से पहले मैंने इंदिरा और राजीव गांधी की सरकारों को देखा है, जिनमें प्रचंड बहुमत के कारण सत्तावादी प्रवृत्ति को प्रोत्साहित करने के लक्षण मिलते हैं। दूसरी तरफ मैंने गठबंधन सरकारों को भी देखा है, जब प्रेस और न्यायपालिका अधिक स्वतंत्र थे और नियामक संस्थाओं पर नियंत्रण करने की कोशिश कम थी।

1989 से 2014 के बीच किसी भी एक पार्टी को संसद में बहुमत नहीं मिला था। इस दौरान सात प्रधानमंत्री हुए, जिनमें से चार-वीपी सिंह, चंद्रशेखर, देवगौड़ा और गुजराल दो साल से भी कम समय तक कार्यालय में रहे। दूसरी तरफ, तीन प्रधानमंत्रियों ने पांच साल के कार्यकाल पूरे किए, जिनमें नरसिम्हा राव, अटल बिहारी वाजपेयी और मनमोहन सिंह शामिल हैं। अब मोदी तीसरे कार्यकाल में उन प्रधानमंत्रियों की श्रेणी में आ गए हैं, जिन्होंने बिना पूर्ण बहुमत के सरकार चलाई। हालांकि उनसे पहले के प्रधानमंत्रियों ने अपने अनुभव और स्वभाव के चलते प्रभावी तरीके से सरकार चलाई। नरसिम्हा राव ने प्रधानमंत्री बनने से पहले इंदिरा और राजीव गांधी की कैबिनेट में लंबे समय तक काम किया। वाजपेयी प्रधानमंत्री बनने से पहले मोरारजी देसाई के नेतृत्व वाली जनता पार्टी की सरकार में विदेश मंत्री रहे। मनमोहन सिंह ने भी प्रधानमंत्री के पद पर आने से पहले नरसिम्हा राव की सरकार में वित्त मंत्री के रूप में काम किया था। इसके अलावा राव, वाजपेयी और मनमोहन ने सरकार से बाहर रहते हुए विपक्षी सांसदों की भूमिका भी निभाई।

एक प्रचारक और पार्टी के संगठनकर्ता के तौर पर मोदी ने कई वर्षों तक अन्य लोगों के साथ या उनके अधीन भी काम किया, लेकिन जब से उन्होंने चुनावी राजनीति में कदम रखा, वह कभी भी मात्र विधायक या सांसद नहीं रहे। यहां तक कि राज्य या केंद्रीय स्तर पर मंत्री भी नहीं रहे। 2001 से उन्होंने खुद को मुख्यमंत्री या प्रधानमंत्री के रूप में ही देखा है। पिछले कुछ सालों में उन्होंने खुद को बॉस, टॉप बॉस, सोल और सुप्रीम बॉस के रूप में देखा है। मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी ने खुद को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में प्रस्तुत किया है, जिसने एक बहुत बड़े पंथ का निर्माण किया है या एक ऐसा नेता, जो अपने दम पर पहले अपने राज्य और फिर देश को समृद्धि के शिखर पर ले जाएगा। राज्य और केंद्र, दोनों जगहों पर उन्होंने किसी भी नई परियोजना के शुरू होने या उसके पूरे होने का हमेशा श्रेय लिया, चाहे वह पुल हो, हाईवे हो, रेलवे स्टेशन हो, खाद्य सब्सिडी हो या कुछ और।

नरसिम्हा राव और वीपी सिंह का व्यक्तित्व आत्मसंतुष्ट और संयमित था। वाजपेयी का व्यक्तित्व अधिक करिश्माई था, लेकिन उन्होंने कभी भी खुद को पार्टी का केंद्र-बिंदु नहीं माना, अपनी सरकार या देश का तो बिल्कुल भी नहीं। इस तरह देखा जाए तो ये तीनों ही अपने अनुभव और स्वभाव के आधार पर कैबिनेट के सहयोगियों और विपक्ष के साथ सलाह-मशविरा कर काम करने के लिए तैयार रहते थे।

देखा जाए तो प्रधानमंत्री को स्वयं जीत की हैट्रिक लगाने की पूरी उम्मीद थी, इसलिए उन्होंने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी कि नए सिरे से पदभार संभालने पर वह पहले सौ दिनों के एजेंडे पर तेजी से काम करेंगे। 'द इकोनोमिक टाइम्स' ने 10 मई को इस बात का दावा किया कि 'मोदी अपने तीसरे कार्यकाल में 100 दिनों के एजेंडे में 50 से 70 लक्ष्य निर्धारित करेंगे।' ध्यान देने योग्य बात है कि यहां अपेक्षा की गई थी कि पिछले तेईस वर्षों से गांधीनगर और नई दिल्ली जो कुछ चल रहा था, सब कुछ वैसे ही बना रहेगा।

हालांकि जिस मोदी 3.0 की बात की गई, वह अप्रत्याशित तरीके से एनडीए 2.0 निकला। इस बात से यह सवाल उठता है कि क्या बहुमत के बिना मोदी कैबिनेट मंत्रियों, अपने सांसदों के प्रति नरम रवैया अपनाने में, विपक्ष को सम्मान देने में और उन राज्यों की सरकारों को, जहां सरकार उनकी पार्टी की नहीं है, उन्हें सम्मान देने में राव एवं मनमोहन का अनुकरण कर सकते हैं। इन सवालों के जवाब मिलने में शायद कई महीने या साल लग सकते हैं, लेकिन मुझे लगता है कि जल्द ही नरेंद्र मोदी अपनी शासन-शैली में बदलाव लाएंगे, जैसे कि संसद में बहस के लिए ज्यादा समय देंगे, दूसरी पार्टियों द्वारा शासित राज्यों में राज्यपालों के हस्तक्षेप को कम करेंगे। उनके वरिष्ठ मंत्री या स्वयं मोदी भी मुसलमानों को सार्वजनिक रूप से अपमानित नहीं करेंगे। हालांकि उनकी शासन-शैली में कोई बदलाव आएगा या नहीं, यह कहना अभी संभव नहीं है। उनकी प्रवृत्ति सत्ता का केंद्रीकरण करने की रही है। यह प्रवृत्ति दो दशकों या उससे कुछ अधिक समय से और प्रबल हुई है, जिसका उन्होंने अब तक आनंद लिया है।

शाहरुख के टीचर की हालत नाजुक, कांग्रेस नेता ने किंग खान से की आखिरी मुलाकात करने की अपील

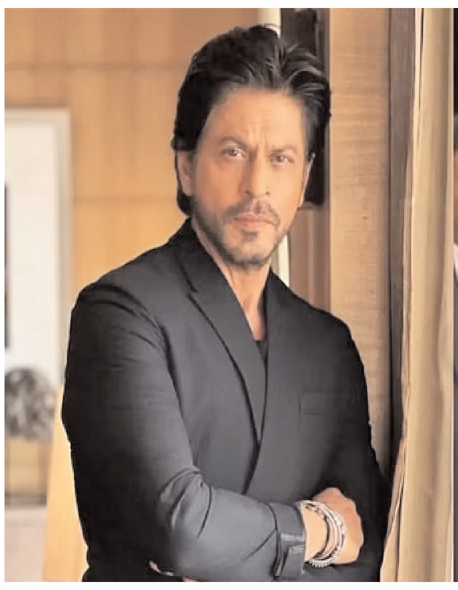

शाहरुख खान बॉलीवुड के वो अभिनेता हैं, जिनके प्रशंसक ना सिर्फ भारत में बल्कि विश्व भर में हैं। अपने अभिनय और अनोखे अंदाज के चलते उन्होंने अपनी कभी ना मिटने वाली पहचान बना ली है। अभिनेता का करियर एक बार फिर पीक पर आ गया है और अब वह नए प्रोजेक्ट्स के जरिए फैंस का मनोरंजन करने से पीछे नहीं हट रहे हैं। इन सब के बीच कांग्रेस नेता जरिता लैतफलांग ने शाहरुख खान से अनुरोध किया है कि वह गोवा में अपने बीमार शिक्षक से मिलने के लिए आए।

कांग्रेस नेता ने साझा किया वीडियो हाल ही में, कांग्रेस नेता जरिता लैतफलांग ने शाहरुख खान से उनके पूर्व शिक्षक भाई एरिक डिसूजा से मिलने का आग्रह करने के लिए एक्स का सहारा लिया। शाहरुख को गोवा में अपने गुरु से मिलने के लिए कहते हुए, कांग्रेस नेता ने एक वीडियो में कहा कि एरिक की हालत सच में बिगड़ रही है।

टीचर से मिलने आने की अपील की वीडियो साझा करते हुए उन्होंने कहा, कृपया कुछ मिनट निकालकर उनसे मिलने आइए। मुंबई गोवा से बहुत दूर नहीं है। यह सिर्फ एक घंटे की फ्लाइट है...उनकी तबीयत बहुत बिगड़ रही है और वे अब बोल नहीं सकते।

पुराने एपिसोड की क्लिप भी की साझा उन्होंने आगे कहा, हर दिन भाई की सेहत कमजोर होती जा रही है, हर पल उनकी हालत बिगड़ती जा रही है। आप उनके बीमार दिल को सुकून पहुंचा सकते हैं। उन्होंने हम सभी के जीवन पर एक अमिट छाप छोड़ी है, मूल्यों को स्थापित करने के लिए, हमें आज जो कुछ भी मिला है, उन्हीं की वजह से मिला है। आपकी यात्रा उनके लिए दुनिया का मतलब होगी, उनके सबसे बुरे समय में आशा की किरण। एक दूसरे ट्वीट में कांग्रेस नेता ने टीवी शो %जीना इसी का नाम है% के एक पुराने एपिसोड से एरिक और शाहरुख की एक क्लिप साझा की। शो में मुलाकात के दौरान दोनों ने एक दूसरे को लंबे समय तक गले लगाया।

अक्षय कुमार के फैंस को लगा झटका!

अब क्रिसमस पर नहीं रिलीज होगी वेलकम टू द जंगल, जानें क्यों?

बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार यानी कि अक्षय कुमार स्टारर फिल्म वेलकम टू द जंगल लगातार सुर्खियों में बनी हुई है। दर्शकों को इस फिल्म का बेसब्री से इंतजार है। ये एक मल्टीस्टारर फिल्म है, जिसमें अक्षय के साथ-साथ संजय दत्त, सुनील शेट्टी, दिशा पटानी, रवीना टंडन, लारा दत्ता, जैकलीन फर्नांडीज जैसे कई सितारे शामिल हैं। फिल्म ने मई में अपना पहला शेड्यूल पूरा किया है। ये फिल्म इस साल दिसंबर में रिलीज होने वाली थी। मगर, अब मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट टाल दी है। वेलकम टू द जंगल के निर्माताओं ने बहुत धूमधाम के साथ फिल्म की घोषणा की थी। मगर मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स अब इस साल फिल्म को रिलीज नहीं कर पाएंगे। फिल्म की टीम ने हाल ही में महाराष्ट्र के आरे में मई में अपना पहला शेड्यूल पूरा किया। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि यह पूरी कास्ट के साथ कई लंबी शूटिंग में से पहला शेड्यूल था। फिलहाल फिल्म की काफी शूटिंग अभी बाकि है। मेकर्स को शूटिंग के बाद वीएफएक्स का काम शुरू होने का इंतजार है। ऐसे में फिल्म की रिलीज को आगे बढ़ाया जा सकता है। ये फिल्म पहले क्रिसमस के मौके पर 20 दिसंबर को रिलीज होने वाली थी। इसमें सबसे दिलचस्प बात ये है कि अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल अब आमिर खान की सितारे जमीन पर से नहीं टकराएगी, जिसे क्रिसमस पर रिलीज किया जाना था। अहमद खान द्वारा निर्देशित इस फिल्म की कहानी फरहाद सामजी ने लिखी है। ये फिल्म 2007 में रिलीज हुई फिल्म वेलकम का सीक्वल है। वेलकम फ्रेंचाइजी की ये तीसरी फिल्म है। 2015 में इसकी दूसरी किस्त फिल्म वेलकम बैक रिलीज हुई थी। दोनों फिल्मों का निर्देशन अनीस बमी ने किया था। वेलकम टू द जंगल में दलेर मेहंदी, मीका सिंह, सयाजी शिंदे, मुकेश तिवारी, जाकिर हुसैन, यशपाल शर्मा, और वृहि कोडवारा जैसे सितारे भी नजर आएंगे। अक्षय कुमार की वेलकम फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म वेलकम टू द जंगल क्रिसमस सप्ताह में 20 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होनी थी। इस फिल्म का निर्देशन अहमद खान कर रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स जल्द ही फिल्म की नई रिलीज डेट का खुलासा कर सकते हैं।

1971 के युद्ध का दूसरा अध्याय दिखाएगी बॉर्डर 2, जेपी दत्ता की बेटी निधि के कंधों पर है जिम्मेदारी

बॉर्डर भारतीय सिनेमाई इतिहास की सबसे यादा पसंद की जाने वाली फिल्मों में से एक है। वर्ष 1997 में रिलीज हुई भारत पाकिस्तान की जंग पर आधारित इस फिल्म ने सफलता के नए आयाम गढ़े थे। अब एक बार फिर दर्शकों के अंदर देशभक्ति का जबा भरने के लिए निर्माता इसका अगला भाग लेकर आ रहे हैं। फिल्म के पहला भाग का निर्देशन मशहूर निर्देशक और फिल्म निर्माता जेपी दत्ता ने किया था, लेकिन इसके अगले भाग की कमान उनकी बेटी निधि दत्ता संभाल रही हैं। वो इस फिल्म का लेखन और निर्माण कर रही हैं।

बॉर्डर 2 की कहानी सुन भर आई थी जेपी दत्ता की आंखें देश के सैनिकों के जबे और साहस को सलाम करती इस फिल्म की जिम्मेदारी जेपी दत्ता ने अपनी बेटी को सौंपी है। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए कहा कि उनकी बेटी उनकी ताकत हैं। वह इस फ्रेंचाइजी की जिम्मेदारी मजबूत कंधों पर सौंप रहे हैं। इस पर आगे बात करते हुए उन्होंने कहा, निधि ने फिल्म लिखी है, इसलिए ये कहानी उसके लिए एक बचे की तरह है। मैंने कभी ऐसी फिल्म का निर्देशन नहीं किया है, जिसे मैंने नहीं लिखा हो। उसने जब मुझे बॉर्डर 2 की कहानी सुनाई तो मेरी आंखें भर आई थीं।

1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दूसरे अध्याय को दिखाएगी फिल्म बॉर्डर 2 का निर्देशन अनुराग सिंह कर रहे हैं। यह फिल्म 1971 के भारत-पाकिस्तान युद्ध के दूसरे अध्याय को दिखाएगी। फिल्म की कहानी को लेकर निधी ने कहा, बॉर्डर लोंगेवाला की लड़ाई पर आधारित थी, लेकिन 1971 के युद्ध में हमारे सैनिकों की कई वास्तविक कहानियां हैं, हमें इन बहादुर सैनिकों की कहानियां पूरे देश को बताने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि वह फिल्म की कहानी लिखने से पहले सैनिकों के परिवारों से मिलीं और उनकी बहादुरी और दर्द को महसूस किया है।

सनी देओल ने पोस्ट साझा कर की थी फिल्म की घोषणा जेपी दत्ता भले ही फिल्म का निर्देशन नहीं करेंगे, लेकिन वह फिल्म की रचनात्मक प्रक्रिया में शामिल रहेंगे। उन्होंने कहा कि सुरक्षा बलों ने अपनी कहानियां बताने के लिए उन पर भरोसा जताया है। ऐसे में वह सुनिश्चित करेंगे कि फिल्म में देशभक्ति की भावना और सैनिकों के किरदारों को न्यायपूर्ण तरीके से दिखाया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने कहा है कि निधि भी सुरक्षा बलों के प्रति अपनी जिम्मेदारी को लेकर सचेत हैं। बताते चलें कि फिल्म की घोषणा सनी देओल ने अपने सोशल मीडिया के जरिए की थी। उन्होंने एक वीडियो साझा किया था, जिसमें वह कहते हैं, 27 साल पहले एक फौजी ने वादा किया था कि वह वापस आएगा, उस वादे को पूरा करने, हिंदुस्तान की मिट्टी को सलाम करने, आ रहा है फिर से।

वह बेहतरीन इंसान, बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं, विजय ने बांधे शाहरुख की तारीफों के पुल

शाहरुख खान और विजय सेतुपति ने 2023 में रिलीज होने वाली फिल्म जवान में एक-साथ स्क्रीन शेयर की थी। दोनों स्टार्स ने अपनी स्क्रीन प्रेजेंस और एक्शन सीन्स से दर्शकों को दीवाना बना दिया। जहां दर्शकों ने उन्हें बड़े पर्दे पर देखने का लुत्फ उठाया, वहीं सेलेब्स ने साथ काम करके भी खूब मस्ती की। अब हाल ही में, अभिनेता विजय सेतुपति ने शाहरुख खान की तारीफों के पुल बांधे हैं और उन्हें बेहतरीन कहानीकार भी कहा है। आइए जानते हैं कि अभिनेता ने और क्या कहा है। एटली कुमार की जवान में शाहरुख खान और विजय सेतुपति के साथ काम करने की घोषणा ने ही उनके प्रशंसकों को उत्साहित कर दिया था। इसलिए, जब फिल्म रिलीज हुई, तो इस जोड़ी को देश भर के सिनेमा प्रेमियों से अपार प्यार मिला। हाल ही में, अभिनेता विजय सेतुपति ने एक साक्षात्कार में थे शाहरुख की प्रभावशाली आवाज और बहुमुखी दिमाग की प्रशंसा की। विजय ने तमिल में कहा, मैं शाहरुख खान की आवाज सुनकर हैरान हूं। वह एक बेहतरीन कहानीकार हैं। उनका दिमाग बहुत बहुमुखी है। मैंने उनसे एक साक्षात्कार में कहा था कि वह एक स्टार की तुलना में एक व्यक्ति के रूप में अधिक आकर्षक हैं।

रविवार को बॉक्स ऑफिस पर राजा बन सकती है विजय सेतुपति की महाराजा, 24 घंटे में बिके इतने टिकट

विजय सेतुपति की नई फिल्म महाराजा सिनेमाघरों में दस्तक दे चुकी है। खास बात है कि यह विजय सेतुपति की 50वीं फिल्म है। फिल्म को दर्शकों की ओर से मिली जुली प्रतिक्रियाएं मिल रही है। महाराजा 14 जून को रिलीज की दहलीज पार कर चुकी है। ऐसे में, इसकी टिकट ब्रिकी को लेकर एक बड़ी जानकारी सामने आ रही है।

रविवार को हो सकती है मोटी कमाई मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, महाराजा के टिकटों की बिक्री में बड़ा उछाल देखा गया है। खबर है कि बुक माई शो वेबसाइट पर लगभग 2 लाख टिकटों की बिक्री हुई है। मालूम हो कि यह आंकड़ा पिछले 24 घंटों का है। इस आंकड़े से जाहिर है कि रविवार को तमिल और तेलुगु संस्करण में फिल्म की कमाई भी बढ़ने वाली है। वहीं, महाराजा के निर्माता भी इससे काफी उत्साहित हैं।

अनुराग कश्यप ने भी किया है अभिनय महाराजा फिल्म का निर्देशन निथिलन समीनाथन ने किया है। उन्होंने इस फिल्म की कहानी भी लिखी है। कुरंगु बोम्मई उनकी प्रमुख फिल्म है। महाराजा एक एक्शन ड्रामा फिल्म है। विजय सेतुपति के अलावा इस फिल्म में ममता मोहनदास भी मुख्य भूमिका निभा रही है। एक और खास बात यह है कि बॉलीवुड निर्देशक अनुराग कश्यप ने भी इस फिल्म में अभिनय किया है। हालांकि, यह पहला मौका नहीं है, जब अनुराग ने किसी तमिल फिल्म में काम किया है। इससे पहले वो इमाइका नोडिगल और लियो में भी नजर आ चुके हैं।

इन कलाकारों ने भी किया है काम

विजय और ममता के अलावा भारतीराजा, अभिराम, नट्टी, अरुलदोस, मुनीशकांत, सिंगमपुली, बॉयज मणिकंदन, कल्कि, सचाना निमिदास और विनोद सागर भी परदे पर दिखाई देंगे। इस फिल्म का निर्माण सुधन सुंदरम और जगदीश पलानीसामी ने किया है। वहीं, अजनीश लोकनाथ ने इसका संगीत तैयार किया है। बता दें कि विजय सेतुपति की अगली फिल्म विदुथलाई 2 होगी, जिसमें वो खलनायक की भूमिका निभाएंगे।

हां, बन रही है 'कल्कि 2898 एडी' की सीक्वल,

'कल्कि 2898 एडी' निर्देशक नाग अश्विन की सिर्फ तीसरी फीचर फिल्म है और अभी से उनके काम के चर्चे दुनिया भर में होने लगे हैं। उनकी पिछली फिल्म 'महानटी' ने सर्वश्रेष्ठ तेलुगु फिल्म का राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता था। फिल्म 'कल्कि 2898' में एक काल्पनिक कार बुज्जी भी अहम किरदार में है और फिल्म की शूटिंग के दौरान ही नाग अश्विन को ये ख्याल आया कि क्या इस कार को वास्तव में बनाया जा सकता है? उन्होंने ट्वीट किया। उद्योगपति आनंद महिंद्रा ने उनकी कल्पना को साकार करने की व्यवस्था की और बुज्जी कार बुधवार को वाकई धरातल पर उतर आई।

बुज्जी कार देखने में बहुत ही विशाल है, इसकी और क्या क्या खासियत हैं?

ये कार जो हमने आज हैदराबाद में दिखाई है, वह भारतीय इंजीनियरों की कल्पना का कमाल है। आनंद महिंद्रा की टीम ने इसमें हमारी मदद की और हम इसे बना पाए, यही इसकी सबसे बड़ी खासियत है। हम ये कार लेकर देश भर के छोटे छोटे शहरों में जाने वाले हैं और वहां इसे चलाकर दिखाने वाले हैं। इसका उद्देश्य ये है कि देश के युवाओं के भीतर ऐसी ही नई कल्पनाएं जागें और वह ये समझ सकें कि जो सोचा जा सकता है, वह बनाया भी जा सकता है।

जो कार आज हैदराबाद की रामोजी फिल्म सिटी में प्रभास चलाकर लाए, क्या यही कार फिल्म में भी उन्होंने चलाई है?

ये कार फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' की मेकिंग के साथ साथ बनती रही है। हमने जो कार फिल्म में दिखाई है, वह मेरी कल्पना थी, जिसे फिल्म के लिए हमारे डिजाइनर्स ने तैयार किया। ये जो कार हमने आज हैदराबाद में दिखाई, वह उसी काल्पनिक कार का जीवंत संस्करण है। बुज्जी हमारी फिल्म का एक किरदार है। लेकिन, आज की कार एक असली घटना है। इस असली कार का इस फिल्म में तो हम इस्तेमाल नहीं कर पाए हैं, लेकिन फिल्म की सीक्वल में इसका उपयोग करने की बात हम सोच रहे हैं।

अरे, वाह! मतलब कि 'कल्कि 2898 एडी' के सीक्वल की खबर आज आपने ब्रेक कर दी? मैंने सुना है कि इसकी डिजाइन बनाने में 'एवेंजर्स एंडगेम' और 'बैटमैन' के डिजाइनर हाइसु वांग ने भी मदद की है?

हां, फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' का दूसरा पार्ट भी बन रहा है। जहां तक हाइसु वांग की बात है तो उन्होंने हॉलीवुड की फिल्मों 'एवेंजर्स एंडगेम', 'बैटमैन', 'गार्जियन्स ऑफ गैलेक्सी' और 'अवतार' आदि में प्रयोग किए गए वाहनों के डिजाइन बनाए हैं। उनसे हमारा संपर्क कोरोना संक्रमण काल में हुआ, जब वह चीन चले गए थे और उनके पास समय भी था। बुज्जी की डिजाइनिंग करने में हमें उनसे मदद मिली। लेकिन, इस कार का असली चैलेंज था इसे हकीकत में बनाना। ये पिछले पहिए पर घूमती है। आगे के दोनों पहियों में हब नहीं है। और, भी तमाम खूबियां जो कुछ भी हमने फिल्म की काल्पनिक कार में दिखाई हैं, वे सब इस कार में हकीकत बन चुकी हैं

फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' क्या पुराणों में वर्णित भगवान विष्णु के कल्कि अवतार की कहानी कहती है और इस कहानी में अश्वत्थामा का चरित्र निभाने के लिए अमिताभ बच्चन को लाने के लिए कितनी मेहनत आपको करनी पड़ी?

हां, ये फिल्म भगवान विष्णु के कल्कि अवतार की कहानी भी कहती है। पुराणों से इस कहानी का यही संबंध है। अमिताभ बच्चन को अश्वत्थामा के चरित्र के लिए लेने की मेरी शुरू से जिद थी। प्रभास और अमिताभ बच्चन, ये दो कलाकार मुझे इस फिल्म के लिए चाहिए ही चाहिए थे। बच्चन साब से मेरी चार, पांच मुलाकातें फिल्म को लेकर हुईं। उनको ये किरदार फिल्म की कहानी में प्रभावी लगा और उन्होंने हां कर दी। अश्वत्थामा भगवान शंकर के मंदिर में जाकर आज भी पूजा करते हैं। ऐसे हमें कम से कम तीन मंदिर, एक मध्य प्रदेश में, एक पश्चिमी घाट पर और एक उत्तर प्रदेश में पता चले हैं।

और, दीपिका पादुकोण को आप पहले से जानते थे, या इसी फिल्म के लिए उनसे मुलाकात हुई? चर्चा है कि वह फिल्म के कन्नड़ संस्करण के लिए अपने किरदार की डबिंग भी कर चुकी हैं?

नहीं, दीपिका पादुकोण से पहली बार मैं इस फिल्म में उन्हें लाने के लिए ही मिला। अभी फिल्म के कन्नड़ संस्करण की डबिंग नहीं हुई है और दीपिका ने भी अपने किरदार की कन्नड़ डबिंग नहीं की है। मुझे पता है कि इस बारे में कुछ खबरें छप चुकी हैं कि वह फिल्म के कन्नड़ संस्करण की डबिंग कर चुकी हैं। और, अब मैं उनसे ऐसा ही करने को कहने वाला हूं। इन खरों के बाद अब उनसे ये कहना मेरे लिए आसान हो जाएगा।

एयर टैक्सी से जुड़े मैहर देवीधाम

विधायक और मैहर के लिए होगी यादगार उपलब्धी

निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।
मैहर, मैहर देवीधाम है माईं शारदा की नगरी है यहां लाखो लाख श्रद्धालु प्रतिवर्ष मत्था टेकने आते है। अगर इस धाम को भी रीवा सिंगरौली उज्जैन की भांति एयर टैक्सी से जोड़ा जाए तो श्रद्धालुओ सहित आमजन की सुविधा में इजाफा देखने को मिलेगा साथ ही जरूरत मंदों को सुविधा का लाभ मिलेगा। मैहर अब जिला बन चुका है तो स्वाभाविक है कि यहां के लोगो की जरूरत बड़ी होगी। इसलिए शहर के लोग विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी से मांग करते है कि मैहर को भी एयर स्ट्रिप से जोड़ने की दिशा में सार्थक प्रयास किये जाय। वही जब मामले को लेकर मैहर विधायक श्रीकांत चतुर्वेदी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि इस दिशा में उनके द्वारा पूर्व में ही प्रयास किया जा चुका है लेकिन जमीन की उपलब्धता न होने के कारण हम यह कार्य नही कर पाए। आज भी जमीन को लेकर हमारा प्रयास जारी है जमीन मिलने पर तत्काल मैहर को एयर टैक्सी से जोड़ने का कार्य किया जाएगा। श्री चतुर्वेदी ने कहा कि तब तक के लिए मैहर को रीवा एयर टैक्सी से जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। मैहर में जगह का निर्धारण कर यहां से सड़क मार्ग से टैक्सियों या बस के माध्यम से नियत समय पर रीवा पहुचाने हेतु सुविधा का सृजन किया जा रहा है। निश्चित ही विधायक के वैकल्पिक व्यवस्था से भी लोग लाभ ले सकते है। जमीन की उपलब्धता हेतु विधायक मैहर के उचित प्रयास जारी है।

भाजपा नेता सत्यभान सिंह ने कहा

नशे के आगोश में जकड़ रहा है युवा

निवास मिश्रा । सिटी चीफ ।
मैहर, भाजपा नेता सत्यभान सिंह ने प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि इस समय गांव गांव में अवैध शराब बिक रही है सहज और सरलता से उपलब्ध हो रही है शराब से युवा पीढ़ी नशे के आगोश में तेजी से समा रहा है एक तरफ हम युवा भारत की कल्पना कर रहे हैं भारत को तीसरी आर्थिक शक्ति बनाने की सरकार की तैयारी चल रही हैं भारत फिर से विश्व गुरु बने ऐसी भारत सरकार की एक - एक योजनाएं बन रही है । परंतु आज जिस तरह से युवा पीढ़ी नशे के आगोश में समाती जा रही है । उससे हमारे युवा भारत का क्या होगा बहुत बड़े - बड़े समाजसेवी और सर्वे से यह पता चलता है जितनी भी दुर्घटनाएं होती हैं उसमे नशा का मूल योगदान है यह पूरे देश के लिए चिंता का विषय है आगे भाजपा नेता सत्यभान सिंह ने सबका आवाहन करते हुए कहा कि हम सब लोग मिलकर नशा मुक्त मैहर नशा मुक्त मध्य प्रदेश और नशा अभियान चलाएं हमारे जैसे लाखों करोड़ों परिवार के लोग सोच रहे हैं नशा से जब परिवार का जवान बेटा खत्म होता है । नशा से जब परिवार टूटता है नशा से घर टूटता है पता चलता है कि नशा क्या है आज समाज का सबसे बड़ा दुश्मन यदि कोई है वह नशा है हम सब मिलकर संकल्प ले नशा मुक्त भारत के लिए शासन प्रशासन को भी चाहिए जहां भी अवैध शराब अवैध नशा बिक रहा है तत्काल उसे बंद कराए युवा शक्ति को भी आगे आना चाहिए और नशा मुक्ति के लिए संकल्पित होकर अभियान शुरू करे।

दमोह के जनपद पंचायत जबेरा में चला जल गंगा संवर्धन अभियान

07 करोड़ 62 लाख रुपए की राशि से हुए 118 कार्य

धीरज कुमार चौबे । सिटी चीफ ।
दमोह, विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने जल गंगा संवर्धन अभियान की शुरुआत की थी। यह अभियान 5 जून से 16 जून तक अभियान चलाया जा रहा हैं। जिसके अंतर्गत प्रदेश के साथ ही जिले में जल संवर्धन हेतु विभिन्न कार्य किए जा रहे हैं। इसमे जल के संरक्षण के लिए जल स्त्रोतों के रखरखाव व साफ सफाई श्रमदान किया जा रहा हैं।

जल गंगा संवर्धन योजना अंतर्गत कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर और जिला पंचायत सीईओ अर्पित वर्मा के निर्देशन में लगातार विभिन्न ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत श्रमदान कार्य किये जा रहे है। इसी क्रम में जनपद पंचायत जबेरा की 70 ग्राम पंचायत में जल गंगा संवर्धन योजना के अंतर्गत काम किए गए। जनपद सीईओ आर पी पटेल ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद पंचायत जबेरा में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 70 ग्राम पंचायत में 7 करोड़ 62 लाख रुपए की राशि से पर्कुलेशन टैंक, कपिलधारा, तालाब जीर्णोद्धार, तालाब नवीनीकरण, स्टाफ डेम, तालाब जल क्षमता, चेक डैम, खेत तालाब ग्रेवियन, गली प्लग, रिचार्ज पीट आदि का निर्माण विभिन्न ग्राम पंचायत में किया हैं जिससे जल भराव होगा। साथ ही जल का उपयोग लंबे समय तक कर सकते हैं इससे मवेशियों को पानी उपलब्धता, किसानों को सिंचाई हेतु पानी व लोगों को उपयोग के लिए पानी उपलब्ध रहेगा।

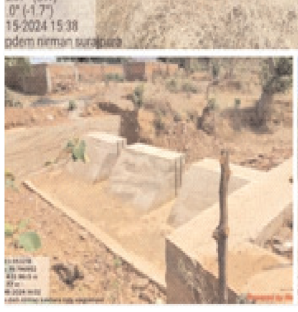

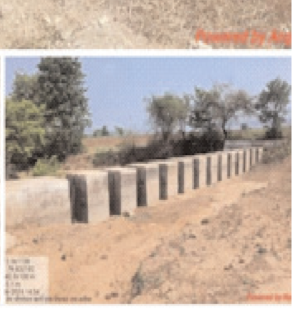

आगामी मंगलवार को दमोह किया जाएगा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि मुख्यमंत्री किसान कल्याण से संबंधित सी एम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण

तहसील कार्यालयों में जन सुनवाई के साथ-साथ ही होगा निराकरण

धीरज कुमार चौबे । सिटी चीफ ।
दमोह, कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने कहा आगामी मंगलवार 18 जून को जिले के सभी तहसील कार्यालयों में तहसीलदारों के द्वारा आम जन सुनवाई के साथ-साथ प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और मुख्यमंत्री किसान कल्याण से संबंधित सी एम हेल्पलाइन की शिकायतों का निराकरण भी किया जाएगा। इस हेतु सभी तहसीलदारों को निर्देशित किया जा चुका है कि शिकायतकर्ताओं को बुलाकर उनकी शिकायतों का निराकरण कराएं।

उन्होंने कहा जिले के ऐसे शिकायतकर्ता जिनकी प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि अथवा मुख्यमंत्री किसान कल्याण से संबंधित शिकायतें हैं वे मंगलवार 18 जून को संबंधित तहसील कार्यालयों में उपस्थित होकर अपनी शिकायत का निराकरण करा सकते हैं।

सहारनपुर में अमर शहीद निशांत शर्मा का 36 वां जन्म दिवस मनाया गया

इस अवसर पर पर उनके परिजनों एवं इष्ट मित्रों ने करा छबील का आयोजन

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। सहारनपुर में आज सर्किट हाउस के पास शहीद स्मारक निशांत शर्मा की प्रतिमा पर पुष्प मालाए एवं दीप प्रज्वलित कर शहीद निशांत शर्मा का 36 वां जन्म दिवस मनाया गया। इस अवसर पर उनके परिजनों एवं इष्ट मित्रों द्वारा एक छबील का आयोजन कर मार्ग से गुजरने वाले लोगों को मीठा पेयजल पिलाकर शहीद की यादों को एक यादगार दिवस के रूप में भी समाहित किया गया। शहीद निशांत शर्मा के जन्म दिवस को उनके माता-पिता, उनके भाई शुभम शर्मा, वरिष्ठ समाजसेवी एवं ब्राह्मण नेता अतुल पाराशर, राजेश शर्मा, युवा ब्राह्मण नेता रोहित कौशिक सिरसका, अरुण बक्शी, अंकित शर्मा, कुलदीप शर्मा दल्हेडी, सूर्य पंडित, समाजसेवी अरुण, मेडी शर्मा, ज्योति चौधरी, राज त्यागी और दुष्यंत शर्मा द्वारा भव्य बनाते हुए निशांत शर्मा अमर रहे के नारे भी लगाए गए। जब तक सूरज चांद रहेगा निशांत तेरा नाम रहेगा। उनका यह जन्मदिन इस बार उनके गांव लुन्ढी में मनाया जाना था लेकिन वहां उनके नाम पर बन रहे द्वार का कार्य अभी पूरा नहीं हो पाने के कारण इस कार्य को उनकी प्रतिमा पर ही किया गया। उनके माता-पिता और समाज के युवाओं ने कहा कि आने वाले समय में निशांत शर्मा के नाम पर रक्तदान शिविर एवं दूसरे चिकित्सा शिविर और गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए और कई कार्यक्रम आयोजित करने की योजना तैयार की जा रही है।

दमोह जिला अस्पताल प्रशासन ने सामाजिक संस्थाओं से किया आग्रह

शवों के संरक्षण हेतु सिंगल बॉडी ए.सी.केबिनेट, डबल बॉडी ए.सी.केबिनेट दान करने

धीरज कुमार चौबे । सिटी चीफ ।
दमोह, जिला चिकित्सालय के सिविल सर्जन सह मुख्य अस्पताल अधीक्षक डॉ. राजेश नामदेव ने जिले की सामाजिक संस्थाओं के पदाधिकारियों से आग्रह किया है कि सामाजिक संस्था के माध्यम से शवों के संरक्षण हेतु सिंगल बॉडी ए.सी. केबिनेट, डबल बॉडी ए.सी. केबिनेट दानकर अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों को निभायें इस हेतु जिला अस्पताल प्रशासन आप सभी का कृतज्ञ रहेगा।

उन्होंने कहा है शववाहन की उपलब्धता में देरी होने पर भी शव को शवगृह में रखा जा सकता है। यह कि जिला चिकित्सालय दमोह में वर्तमान में सिर्फ 2 ही ए.सी. केबिनेट हैं, जिनमें शवों को रखा जाता है तथा लगातार उपयोग के कारण कई बार वह शव खराब भी होते रहते हैं दोनों ही केबिनेट की आयु 10 वर्ष से अधिक की हो गई है। पोस्टमार्टम की प्रतिक्षा में (सूर्यास्त के बाद) शवों को जिला अस्पताल में बने शव गृह में रखा जाता है। कई बार अज्ञात शव भी कई-कई दिनों तक शवगृह में रखना पड़ता है।

ज्ञातव्य है कि जिला चिकित्सालय दमोह 300 विस्तरीय अस्पताल है, इसके अलावा यहां मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य संबंधी अस्पताल में 100 बिस्तर अतिरिक्त हैं। प्रतिदिन लगभग 600 से 800 मरीज़ ओ.पी.डी. में उपचार लेने आते हैं एवं लगभग 70 से 80 व्यक्ति भर्ती होकर उपचार प्राप्त करते हैं। कई बार प्रतिदिन 5 से 6 पोस्टमार्टम हेतु शव भी लाये जाते हैं, गर्मी के दिनों में शव का विघटन 8 घंटे में ही शुरू हो जाता है एवं शरीर से बदबू आना शुरू हो जाती है। शव को सम्मानपूर्वक मरीज के परिजनों को सौंपना भी एक सामाजिक जिम्मेदारी है।

युवक ने अपने भाई और उसके साथियों पर लगाया उसे बंधक बनाकर मारपीट कर घायल करने का आरोप

पीड़ित ने आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर। देवबंद, एक युवक ने अपने भाई और उसके साथियों पर उसे व पिता को बंधक बनाकर मारपीट कर घायल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने कोतवाली में तहरीर देते हुए भाई समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली में दी तहरीर में गांधी कालोनी निवासी वसीम ने बताया कि उसका अपने भाई के साथ विवाद चल रहा है। इस विवाद को निपटाने के लिए क्षेत्र के गांव राजूपुर में एक व्यक्ति के यहां बैठक होनी थी। आरोप है कि जब वह अपने पिता यूनुस के साथ गांव पहुंचा तो पांच-छह लोगों ने उन्हें देखते ही अभद्रता शुरू कर दी। इतना ही नहीं जब पिता ने विरोध जताया तो आरोपितों ने पिता और उसको बंधक बना लिया और मारपीट की। मारपीट में वह और उसके पिता घायल हो गए। बाद में वह आरोपितों के चंगुल से किसी तरह जान बचाकर भाग निकले। अब उक्त लोग उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। जिससे वह और उनका परिवार दहशत में हैं।

कोतवाली प्रभारी संजीव कुमार ने बताया कि मामले की जांच कराई जा रही है। जांच उपरांत दोषियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी।

डीएम ने तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में सुनी समस्याएं

प्रकरणों को गम्भीरता से सुनते हुए समय सीमा के अन्दर करें निस्तारित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र ने तहसील सदर में आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में जन समस्याओं को सुना। डीएम डा.दिनेश चन्द्र ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जन शिकायतों का निस्तारण मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में शामिल है। प्राप्त शिकायतों को निर्धारित समय में संवेदनशीलता अपनाते हुए गुणवत्तापूर्ण ढंग से निस्तारित करें। शिकायतों के निस्तारण में लापरवाही बरतने वालों के विरूद्ध कडी कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने विद्युत विभाग की निरंतर आ रही शिकायतों पर कड़ी नाराजगी व्यक्त करने हुए सख्त निर्देश दिए कि कार्यप्रणाली में सुधार न लाने पर निलंबन की कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने एक्सईएन विवेक कुमार पटेल का स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विद्युत उपभोक्तताओं को अनावश्यक रूप से परेशान करने वालों के विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने विद्युत विभाग को निर्देश दिए कि भीषण गर्मी के दृष्टिगत केवल आपातकाल की स्थिति में ही विद्युत कटौती की जाए। उन्होंने कहा कि विद्युत अधिकारी कर्मचारी पूरी मुस्तैदी एवं तत्परता के साथ कार्य करें ताकि जन सामान्य को विद्युत उपलब्धता को लेकर परेशानियों का सामना न करना पड़े। जन सामान्य को निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित कराएं। विद्युत ट्रांसफार्मर जलने की दशा में जल्द से जल्द नवीन ट्रांसफार्मर का प्रतिस्थापन सुनिश्चित किया जाए। विद्युत सब स्टेशनों पर 24 घण्टे कर्मचारियों की टीम मौजूद रहे। सम्पूर्ण समाधान दिवस में राजस्व विभाग की 28, विद्युत विभाग की 03, पुलिस विभाग की 07, विकास विभाग की 03, नगर निगम की 04 एवं अन्य 08 कुल 53 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 05 मौके पर ही निस्तारित कर दी गयी। शिकायतकर्ता रमेश पुत्र सुल्तान सिंह निवासी मुखलिशपुर ने शिकायत की कि ऋण का भुगतान करने के बाद भी ऋण खतौनी पर दर्ज है। जिस पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर को निर्देशित किया कि उनके द्वारा जमा किये गये ऋण की तत्काल प्रविष्टि कर खतौनी को ऋण मुक्त दर्शाया जाए। जिलाधिकारी के निर्देशानुसार 05 मिनट के अंदर वृद्ध कृषक को खतौनी दुरूस्त कराकर सौंप दी गयी। डीएम डा.दिनेश चन्द्र ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायत निस्तारण के प्रति संवेदनशीलता दिखाएं और मानवीय दृष्टिकोण अपनाते हुए समस्याओं का समयबद्धता से गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। योजनाओं का लाभ पात्रों को दिलाने में लापरवाही न बरती जाए। उन्होने दिव्यांगजन अधिकारी, प्रोबेशन अधिकारी एवं समाज कल्याण अधिकारी को निर्देश दिए कि पात्रों को नियमानुसार समय से पेंशन एवं अन्य विभागीय योजनाओं का लाभ दिलाया जाए। वृद्ध एवं दिव्यांगों की समस्याओं का प्राथमिकता से समाधान किया जाए।

उन्होने अनुपस्थित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए सख्त निर्देश दिए कि जिला स्तरीय अधिकारी सम्पूर्ण समाधान दिवस में अनिवार्य रूप से उपस्थित हों। इसी के साथ प्रतिदिन अपने कार्यालय में प्रातः 10:00 से 12:00 बजे तक जनसुनवाई करते हुए शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करें। जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र ने आए हुए लोगों की शिकायतों को सुनकर सम्बन्धित अधिकारियों को शीघ्र निस्तारण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि राजस्व संबंधी वादों का समय सीमा के अंदर निस्तारण किया जाए। उन्होंने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप जो समय सीमा समस्याओं के निस्तारण की दी गई है, उसी के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कराएं। उन्होंने यह भी कहा कि निस्तारण के साथ-साथ लाभार्थी को संतुष्टी भी मिलनी चाहिए। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ0 विपिन ताडा ने सभी पुलिस अधिकारियों को निर्देशित किया कि तहसील दिवस में आई पुलिस संबंधी समस्याओं एवं शिकायतों का गुणवत्तापरक समय से निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी सुनिश्चित करे कि उनके क्षेत्र में अवैध खनन न हो। अवैध खनन करने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी सुमित राजेश महाजन, एसपी सिटी अभिमन्यु मांगलिक, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ0 संजीव मांगलिक, उपजिलाधिकारी सदर युवराज सिंह, क्षेत्राधिकारी सदर रूची गुप्ता, तहसीलदार सदर अमित कुमार सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारीगण उपस्थित रहे।

अधिकारियों ने ईदगाह और मस्जिदों के प्रबंधकों के साथ की बैठक

ईद-उल-अजहा पर सरकारी गाइड लाइन का पालन करते हुए सड़कों पर नमाज न पढने और सार्वजनिक स्थलों पर कुर्बानी न किए जाने का किया आह्वान

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर । देवबंद, ईद-उल-अजह (बकरीद) के त्योहार को लेकर पुलिस- प्रशासन पूरी तरह से सतर्क है। आज अधिकारियों ने ईदगाह और मस्जिदों के प्रबंधकों सहित नगर के जिम्मेदार लोगों के साथ बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने सरकारी गाइड लाइन का पालन करते हुए सड़कों पर नमाज न पढने और सार्वजनिक स्थलों पर कुर्बानी न किए जाने का आह्वान किया। खानकाह पुलिस चौकी पर एसडीएम अंकुर वर्मा और सीओ अशोक सिसौदिया ने नगर के जिम्मेदार लोगों के साथ बैठक की। इस दौरान अधिकारियों ने

सौहार्द पूर्ण त्योहार मनाने के साथ ही सड़कों पर नमाज न पढ़े जाने और खुले में जानवरों की कुर्बानी न करने का आह्वान किया। इसके साथ ही साफ-सफाई को लेकर भी चर्चा हुई। लोगों से साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखने, अ?वशेषों को इधर उधर न फेंकने को कहा गया। अधिकारियों ने ईदगाह कमेटी और मस्जिद प्रबंधकों को आश्वस्त किया कि उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं होने दी जाएगी। इसके उपरांत पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों ने ईदगाह और मस्जिदों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुस्लिम फंड ट्रस्ट के प्रबंधक सुहैल सिद्दीकी, ईदगाह कमेटी के सचिव अनस सिद्दीकी, पूर्व पालिका अध्यक्ष इनाम करैशी, जामा मस्जिद के सचिव खुर्रम उस्मानी, अंसार मसूदी और फहीम सिद्दीकी आदि मौजूद रहे।

सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था के अंतर्गत खाद्यान्न के वितरण एवं उठान के संबंध में बैठक हुई आयोजित

भारतीय खाद्य निगम से खाद्यान्न उठान एवं उचित दर दुकान तक उसकी पहुंच बिना किसी व्यवधान के की जाए सुनिश्चित

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए निर्देशों के क्रम में जिलाधिकारी डॉक्टर दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट स्थित नवीन सभागार में सिंगल स्टेज परिवहन व्यवस्था के अंतर्गत खाद्यान्न के उठान एवं वितरण के संबंध में बैठक आयोजित की गई। बैठक में

जिलाधिकारी डा.दिनेश चन्द्र द्वारा निर्देश दिए गए कि भारतीय खाद्य निगम से खाद्यान्न उठान एवं उचित दर दुकान तक उसकी पहुंच बिना किसी व्यवधान के सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि यदि सिंगल स्टेज में दुकानों पर सामान पहुंचने में किसी प्रकार की समस्या आती है तो उक्त व्यवस्था का अनुमोदन संभागीय खाद्य नियंत्रक से कराया जाए।डॉक्टर दिनेश चंद्र ने निर्देश

दिए की उचित दर विक्रेता की दुकानों पर नोडल अधिकारी की तैनाती सुनिश्चित कराई जाए जो दुकानों पर खाद्यान्न का भौतिक सत्यापन खाद्यान्न के वितरण से पूर्व सुनिश्चित कराएंगे। इसके अतिरिक्त खाद्यान्न का वितरण पर्यवेक्षण अधिकारी की उपस्थिति में सुनिश्चित कराया जाए। इस अवसर पर जिला पूर्ति अधिकारी मनीष कुमार, डिप्टी आरएमओ आरपी पटेल सहित पूर्ति निरीक्षक एवं उपनिरीक्षक उपस्थित रहे।

सहारनपुर में अब पाक में भी भारतयोग का डंका

लरकाना में हुआ मोक्षायतन का भारत योग शिविर

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, योग का अस्तित्व इंडिया के अस्तित्व से बहुत पुराना है जो मानवता के कल्याण और दुख निवारण के लिए दुनिया के पहले देश भारत के ऋषियों ने दिया। भारत योग नाम से इसी मौलिक भारतीय योग के स्वरूप से दुनिया को परिचित कराने के लिए अंतर्राष्ट्रीय योग गुरु स्वामी भारत भूषण द्वारा आरंभ की गई भारतयोग मुहिम अमेरिका, कैनेडा, ब्रिटेन, आइस लैंड, दक्षिण अफ्रीका, ताइवान, वियतनाम, इंडोनेशिया, मलेशिया, मारिशस, सूरीनाम, चीन, जापान और अरब देशों से होते हुए 2024 में पाकिस्तान में भी पैठ बना चुकी है। इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस को लेकर मोक्षायतन योग संस्थान के योग शिक्षक गुरु मां आचार्या प्रतिष्ठा के मार्गदर्शन में भारतयोग शिविरों के

माध्यम से देश के अलग-अलग हिस्सों और अलग-अलग देशों में हर दिन को योग दिन बनाने में जुटे हैं। इसी श्रृंखला में पाकिस्तान के भारत योग शिक्षक एडवोकेट जावेद अली भुट्टो ने गुरु आचार्य प्रतिष्ठा के सानिध्य में योग सीखकर पाकिस्तान के सिंध में लरकाना स्थित जिन्ना पार्क में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष में भारत योग शिविर आयोजित किया। गैरिक वस्त्र धारण करके भारतयोग के रंग में रंगे भारत योग शिक्षक जावेद अली भुट्टो ने योग को रूहानियत में जीने और पूरी दुनिया को करीब लाने का सबसे बड़ा जरिया बताया और कहा कि भारतयोग का ये जरिया जीने का ऐसा नया नजरिया देने की ताकत रखता है जो हर प्रॉब्लम का सॉल्यूशन दे देता है।

01 जुलाई से शुरू होगा संचारी रोग नियंत्रण अभियान

संचारी रोग नियंत्रण अभियान में सभी विभाग निर्धारित उत्तरदायित्वों का अनुपालन करें सुनिश्चित - मण्डलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, मण्डलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने बताया कि संचारी रोगों एवं दिमागी बुखार पर प्रभावी नियंत्रण हेतु 01 से 31 जुलाई तक विशेष संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 17 से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान चलाया जाएगा।

मण्डलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने मण्डल के तीनों जनपदों के जिलाधिकारियों एवं मुख्य विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि चिकित्सा सवास्थ्य एवं परिवार कल्याण, आईसीडीएस, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभाग, शिक्षा विभाग, नगर निगम, कृषि विभाग, पशुपालन विभाग, स्वच्छ भारत मिशन, संस्कृति विभाग, चिकित्सा शिक्षा विभाग एवं अन्य संबंधित विभागों के अंतर्विभागीय सहयोग द्वारा संचारी रोगों पर प्रभावी नियंत्रण सुनिश्चित कराया जाए। जनपद

एवं ब्लाक स्तर पर संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु बैठक की जाए। मंडलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद ने कहा कि अभियान के तहत व्यापक जन जागरूकता चलाई जाए जिसमें प्रशिक्षित स्वास्थ्य कार्यकर्ता घर-घर जाकर बीमारियों के बचाव तथा उपचार के संबंध में जानकारी दें। जन सामान्य में अभियान के अधिकतम प्रभाव के लिए सभी गतिविधियों को व्यापक प्रचार-प्रसार कराया जाए। समस्त सरकारी कार्यालयों में विभागाध्यक्ष, विद्यालयों में अध्यापक, नगरीय निकायों में कार्यकारी अधिकारी तथा ग्राम स्तर पर ग्राम विकास अधिकारी द्वारा पर्यावरणीय तथा व्यक्तिगत स्वच्छता एवं रोगों से बचाव हेत सभी आवश्यक उपाय अपनाने हेतु जागरूक करें। शहरी क्षेत्रों एवं शहरी मलिन बस्तियों के संवेदनशील आबादी समूहों में अपनी गतिविधियों को केन्द्रित करें। ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में फॉगिंग कराई जाए साथ ही स्वास्थ्य विभाग द्वारा उपलब्ध कराई गयी हाई रिस्क क्षेत्रों में सघन वेक्टर नियंत्रण एवं संवेदीकरण गतिविधियां संपादित कराई जाए। नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्रों में वातावरणीय एवं व्यक्तिगत स्वच्छता के उपायों, खुले में शौच न करने, शुद्ध पेयजल के प्रयोग तथा मच्छरों की रोकथाम हेतु जागरूकता अभियान संचालित किया जाए। अभियान की सफलता के लिए सभी विभागों द्वारा माइक्रो प्लान बनाकर कार्य किए जाएं।

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत श्री करंट बालाजी मंदिर पर हुआ स्वच्छता श्रमदान एवं पौधरोपण

नीमच- मध्यप्रदेश शासन के जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत कलेक्टर जिला नीमच दिनेश जैन एव नोडल अधिकारी जिला पंचायत सी ई ओ गुरु प्रसाद के निर्देशन में नीमच अनुभाग के अधिकारीयों, कर्मचारियों एवं जन अभियान परिषद की सामाजिक संस्थाओं, सीएमसीएलडीपी पाठयक्रम के विद्यार्थियों द्वारा शनिवार को प्रातःकाल मे श्री करंट बालाजी मंदिर परिसर, नीमच में स्वच्छता श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसके तहत आसपास हो रहे कचरे, कूड़ा करकट, कंटीली झाड़ियों को सामुहिक श्रमदान से हटाकर मन्दिर परिसर को स्वच्छ किया गया तत्पश्चात मंदिर परिसर में पौधारापण भी किया गया। श्रमदान में विशेष रूप से सुश्री प्रीति संघवी संयुक्त कलेक्टर एवं अनुविभागीय अधिकारी नीमच, प्रेमशंकर पटेल तहसीलदार, संजय मालवीय तहसीलदार, कविता कडेला नायब तहसीलदार, प्रियंका रावत नायब तहसीलदार, घनश्याम पाण्डेय पटवारी, महेन्द्र सिसौदिया पटवारी, निशा विश्वकर्मा रीडर, अभिषेक शर्मा, गोपाल शर्मा, अजय मेहरा, मदन बामनिया, जन अभियान के

ताराचंद पाईवाल , नवांकुर संस्था नीमच सुरेश लोक शिक्षण समिति, नगर की सामाजिक संस्थायें , परामर्शदाता एवं नगरपालिका के कर्मचारयों की महत्वपूर्ण सहभागिता रही।

नींद से जागी नगर परिषद,राणा सागर की गाद निकलने और जीर्णोद्धार का हुआ मुहूर्त

रानापुर ~ नगर का प्राचीनतम राणा सागर तालाब को अपनी दुर्दशा पर वर्षो से आंसू बहारहा था अपने को लूटने का खेल देख रहा आज कुछ खुश जरूर हुआ होगा जब संघर्ष से सिद्धि समाचार पत्र में खबर को पढ़कर नगर परिषद की प्रथम नागरिक सुश्री दीपमाला नलवाया और सीएमओ संजय पाटीदार ने वर्षो से उपेक्षित गंदगी से भरे हुए राणा सागर तालाब की अमृत 2.0 योजना के तहत जीर्णोद्धार और गाद निकालना, तालाब का बैंड रिपेयर, टोवाल, स्टोन पीचिंग, लाइट व तार फेंसिंग कार्य इसकी अनुमानित लागत 33,61,328 रुपए कार्य का भूमि पूजन करने का निर्णय लेकर शनिवार को भाजपा जिलाध्यक्ष भानु भूरिया के मुख्य आतिथ्य में तथा दिलीप सिंह नलवाया के विशेष आतिथ्य में संपन्न करवाया, इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष सुश्री दीपमाला नलवाया,भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेंद्र उपाध्याय, रामेश्वर

नायक, जिला महामंत्री सोम सिंह सोलंकी, अजजा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष दिलीप सिंह नलवाया, भाजपा मंडल अध्यक्ष लाला गाहरी,पूर्व मंडल अध्यक्ष कीर्तिश राठौर, महामंत्री द्वय संचित कटारिया, कमलेश नायक, पार्षद लोकेंद्र सिंह परिहार, रौनक सोनी, दिलीप डामोर, रितेश लाला राठौर, तथा उपयंत्री पराक्रम राणावत अमृत 2.0 योजना के फील्ड इंजीनियर वैदिक शर्मा ठेकेदार सुदर्शन चौधरी आदि मौजूद रहे। राणा सागर तालाब के जीर्णोद्धार और गंदगी मुक्त करने के नगर परिषद के प्रयास से नागरिकों में एक उम्मीद जागी की वर्तमान भाजपा की नगर परिषद नगर हित के कुछ कर गुजरने को तैयार है।

मण्डलायुक्त द्वारा तहसील दिवस रामपुर मनिहारान के औचक निरीक्षण

अनुपस्थित अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने के निर्देश

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।

सहारनपुर, मण्डलायुक्त डा0 हृषिकेश भास्कर यशोद द्वारा तहसील रामपुर मनिहारान में आयोजित तहसील दिवस का औचक निरीक्षण किया गया। इसी के साथ उन्होंने सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ताओं की शिकायतों को भी सुना। निरीक्षण के समय उप जिलाधिकारी रामपुर मनिहारान, तहसीलदार रामपुर मनिहारान, नायब तहसीलदार रामपुर मनिहारान, पुलिस क्षेत्राधिकारी रामपुर मनिहारान, खण्ड विकास अधिकारी रामपुर मनिहारान व नानौता उपस्थित मिले। अनुपस्थित अधिकारियों का एक दिन का वेतन काटने तथा आगामी तहसील दिवस में सभी अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति सुनिश्चित कराये जाने के निर्देश उप जिलाधिकारी रामपुर मनिहारान को दिये गये।

तहसील दिवस में ब्रजपाल सिंह पुत्र नकली सिंह निवासी रामपुर मनिहारान ग्राम पिलखनी द्वारा मण्डलायुक्त के सामने यह गुहार लगायी गयी कि उसके द्वारा 29 मई 2024 को नकल खतौनी खसरा नं0 637 से ऋण प्रविष्टि हटवाये जाने हेतु भारमुक्त प्रमाण पत्र के साथ अपना प्रार्थना पत्र तहसीलदार रामपुर मनिहारान के कार्यालय में जमा कराया गया था किन्तु आज तक भी उसकी नकल खतौनी से ऋण प्रविष्टि नहीं हटाई गयी है जबकि वह कई बार तसहील के चक्कर काट चुका है। मण्डलायुक्त द्वारा तत्काल संज्ञान लिया गया तथा सम्बन्धित रजिस्ट्रार कानूनगो दिनेश कुमार को चेतावनी प्रदान करते हुये आउटसोर्सिंग कम्प्यूटर ऑपरेटर श्रवण कुमार की सेवायें तत्काल प्रभाव से समाप्त करने के निर्देश दिये गये। ग्राम जन्धेडा समसपुर में स्थित सरकारी तालाब पर अवैध कब्जा कर मकान बनाने की शिकायत प्राप्त हुयी। जानकारी करने पर बताया गया कि शिकायत कानूनगो को की गयी थी। कानूनगो द्वारा क्षेत्रीय लेखपाल विनय कुमार को जॉच के निर्देश दिये गये किन्तु लेखपाल द्वारा जाने से मना कर दिया गया। मण्डलायुक्त हृषिकेश भास्कर यशोद के संज्ञान में मामला आने पर अवैध कब्जे की पुष्टि हेतु तत्काल मौके पर नायब तहसीलदार व कानूनगों को भेजा गया। रिपोर्ट आने पर इस मामले में बडी कार्यवाही की जायेगी। तहसील दिवस में ज्यादातर शिकायतें खेतों की नालियां टूटी पडी होने अथवा इन पर दबंग व्यक्तियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा किये जाने की प्राप्त हुयी। जिस कारण किसानों को सिंचाई करने में काफी परेशानियां आ रही है। मण्डलायुक्त द्वारा इसे गम्भीरता से लेते हुये जिलाधिकारी सहारनपुर को निर्देशित किया गया कि जनपद की समस्त

तहसीलों में सिंचाई विभाग तथा नलकूप विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों के द्वारा अभियान चलाकर समस्त नालियों की मरम्मत कराते हुये इन पर से अवैध कब्जे हटवाये जिसमें राजस्व विभाग के अधिकारियों द्वारा भी सहयोग प्रदान किया जायेगा। मण्डलायुक्त द्वारा अभियान के उपरान्त इसकी रिपोर्ट भी जिलाधिकारी सहारनपुर से मांगी गयी है।

राफा में इजराइली सैनिकों पर हमास का घातक अटैक, विस्फोट में 8 सैनिकों की मौत

यरूशलम: इजराइली सेना ने शनिवार को कहा कि दक्षिणी गाजा में किये गए एक विस्फोट में उसके आठ सैनिकों की मौत हो गई। यह पिछले कई महीनों में किए गए अब तक का सबसे घातक हमला था। शनिवार का यह धमाका दक्षिण रफह शहर में हुआ। इजराइल रफह को हमास की मजबूत पकड़ वाला आखिरी बड़ा गढ़ मानता है। इस हमले से इजराइली प्रदर्शनकारियों द्वारा की जा रही संघर्ष विराम की मांग को संभवत- बढ़ावा मिलेगा। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब अति रूढ़िवादी युवाओं को सैन्य सेवा से छूट देने को लेकर सरकार को व्यापक नाराजगी का सामना करना पड़ रहा है। इजराइल और फलस्तीन में आठ महीने से अधिक समय से लड़ाई चल रही है। पिछले साल सात अक्टूबर को हमास और अन्य आतंकवादियों द्वारा किये गये हमले में 1200 लोगों की मौत हो गई थी तथा 250 लोगों को बंधक बना लिया गया था। इसके बाद इजराइल ने हमास के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया था। इजराइल के विदेश मंत्री इजराइल कात्ज ने 'एक्स% पर पोस्ट में कहा, '' वे जानते थे कि उन्हें अपनी जान कुर्बान करनी पड़ सकती है लेकिन उन्होंने ऐसा किया ताकि हम इस देश में रह सकें। मैं उन्हें सलाम करता हूं और उनके परिवारों को गले लगाता हूं। इजराइली सेना ने कहा कि यह विस्फोट रफह के ताल अल-सुल्तान क्षेत्र में शाम पांच बजे हुआ। इजराइली सेना के प्रवक्ता रीयर एड. डेनियल हगारी ने कहा कि यह धमाका हमास द्वारा लगाये गये किसी विस्फोटक या एंटीटैंक मिसाइल से किया गया। उन्होंने कहा, '' हमें हमास के रफह ब्रिगेड को हराने की जरूरत है और हम संकल्प के साथ यह कर रहे हैं। गाजा में जनवरी में फलस्तीनी आतंकवादियों के हमले में 21 इजराइली सैनिकों की मौत हो गई थी।

भारत में गिरफ्तार श्रीलंकाई नागरिकों का ISIS से संबंध का कोई सबूत नहीं: विदेश मंत्री

कोलंबो- श्रीलंका के विदेश मंत्री अली साबरी ने शुक्रवार को कहा कि इस दावे के समर्थन में कोई सबूत नहीं है कि पिछले महीने भारत में गिरफ्तार किए गए चार श्रीलंकाई नागरिक आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट (ङ्खस्ङ्खस्) से जुड़े हैं। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने दावा किया था कि उसने अहमदाबाद हवाई अड्डे पर ङ्खस्ङ्खस् से कथित रूप से जुड़े चार श्रीलंकाई नागरिकों को गिरफ्तार किया है। उसने बताया था कि चारों 19 मई को कोलंबो से चेन्नई के लिए 'इंडिगो की उड़ान में सवार हुए थे। इससे पहले 31 मई को श्रीलंकाई पुलिस के आपराधिक जांच विभाग ने कोलंबो में 46 वर्षीय पुष्पराज उस्मान नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया था। विभाग ने इसे भारत में गिरफ्तार किए गए चार लोगों का संदिग्ध आका बताया था। मंत्री साबरी ने शुक्रवार को इस बात से इनकार किया कि भारत में गिरफ्तार किसी भी श्रीलंकाई नागरिक का आतंकवादी संगठन से कोई संबंध है। सबरी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा, भारत में गिरफ्तार किए गए चार श्रीलंकाई नागरिकों के आईएसआईएस से जुड़े होने के दावों को साबित करने के लिए कोई सबूत नहीं है। माना जा रहा है कि चारों (श्रीलंकाई) आतंकवाद से नहीं बल्कि मादक पदार्थों की तस्करी से जुड़े हैं।

अमेरिकी सेना ने यमन में हूती विद्रोहियों के रडार केंद्रों को निशाना बनाया

दुबई- अमेरिका की सेना ने यमन के हूती विद्रोहियों के रडार अड्डों को निशाना बनाकर हमले किए हैं। अधिकारियो ने शनिवार को बताया कि इन रडार केंद्रों का इस्तेमाल विद्रोहियों द्वारा नौवहन के लिए अहम लाल सागर गलियारे में जहाजों पर हमला करने के लिये किया जा रहा था। यह हमला पूर्व में हूती विद्रोहियों के हमले के बाद एक वाणिज्यिक पोत के चालक दल के एक सदस्य के लापता होने के बाद किया गया है। ये हमले ऐसे समय में हुए हैं जब अमेरिकी नौसेना को हूती अभियान का मुकाबला करने के लिए द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से अब तक के सबसे भीषण युद्ध का सामना करना पड़ रहा है। विद्रोहियों का कहना है कि ये हमले गाजा पट्टी में इजरायल-हमास युद्ध को रोकने के लिए किए गए हैं। सेना की 'सेंट्रल कमान% ओर से कहा गया कि अमेरिकी हमलों ने हूती नियंत्रित क्षेत्र में सात राडार अड्डे नष्ट कर दिए हैं। हालांकि उसकी तरफ से कोई और जानकारी मुहैया नहीं कराई गई। सेना की ओर कहा गया कि लाइबेरियाई ध्वज वाले एक जहाज का चालक हूतियों द्वारा किए गए हमले के बाद लापता हो गया था।

भारत ने पड़ोसी देशो को जोड़ने वाले 14 नए रेल लिंक को दी मंजूरी

इंटरनेशनल डेस्क: बांग्लादेश, नेपाल जैसे पड़ोसी देशों को जोड़ने वाले 14 नए रेलवे संपर्क मार्गों और पूर्वोत्तर की ओर वैकल्पिक मार्गों के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण को मंजूरी दी है। बांग्लादेश और नेपाल को जोड़ने वाली नई रेल लाइनों के लिए अंतिम स्थान सर्वेक्षण की कुल लंबाई 861 किमी. और 202.5 किमी है। पूर्वोत्तर की ओर प्रस्तावित वैकल्पिक मार्ग की लंबाई 212 कि.मी. होगी। भारत और बांग्लादेश के बीच रेल संपर्क के स्नरू के लिए स्वीकृत मार्ग बालुरघाट-हिली-पार्बतीपुर-कौनिया- लालमनिरहाट-मोगलहाट-गितालदह सेक्शन है। यह 32 किमी. का होगा, जिसमें से 14 कि.मी. नई रेल लाइन और 18 किमी गेज परिवर्तन होगा।

प्रस्तावित बालुरघाट-गितालदह-बामनहाट-सोनाहाट-गोलकगंज-धुबड़ी सेक्शन 56 कि.मी. लंबा होगा, जिसमें 38 किमी. नई रेल लाइन और 18 कि.मी. गेज परिवर्तन होगा। बालुरघाट-हिली-गायबंधा-महेंद्रगंज-तुरा-मेंदीपथार सेक्शन में 250 किमी नई रेल लाइन का निर्माण होगा। प्रस्तावित मांगुरजान-पीरगंज-ठाकुरगांव-पंचगढ़-हल्दीबाड़ी मार्ग में 60 किमी.नई रेल लाइन का निर्माण होगा। प्रस्तावित डालखोला-पीरगंज-ठाकुरगांव-पंचगढ़-हल्दीबाड़ी सेक्शन में 80 किमी नई रेल लाइन का निर्माण होगा। प्रस्तावित राधिकापुर-बिरोल-पार्बतीपुर-कौनिया-गितालदह सेक्शन 32 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें 14 किलोमीटर नई रेलवे लाइन और 18 किलोमीटर गेज परिवर्तन होगा।

प्रस्तावित बेलोनिया-फेनी-चट्टग्राम मार्ग 131 किलोमीटर लंबा होगा, जिसमें से 38 किलोमीटर नई रेल लाइन और 93 किलोमीटर गेज परिवर्तन होगा। गेदे-दरसाना-ईश्वरदी- टोंगी-भैरब बाजार-अखौरा-अगरतला मार्ग में 100 किलोमीटर गेज परिवर्तन होगा। प्रस्तावित पेट्रापोल-बेनापोल-नभारोन-जेसोर- रुपडिया-पद्माबिला-लोहागरा-काशियानी-शिबचर-मावा-निमतला-गेंडारिया-ढ़ाका-टोंगी-भैरब बाजार-अखौरा-अगरतला मार्ग के लिए 120 किलोमीटर गेज परिवर्तन की आवश्यकता होगी। उपरोक्त सभी प्रस्तावित मार्ग भारत और बांग्लादेश के बीच रेल संपर्क को और मजबूत करेंगे।

एलन मस्क ने अब नौकरी से निकाले कर्मचारियों से वापस मांगा पैसा

इंटरनेशनल डेस्क: टेस्ला, स्पेसएक्स और एक्स कॉर्प जैसी कंपनियों के मालिक मस्क ने साल 2022 में ट्विटर को करीब 44 अरब डॉलर में खरीदा था। इसके बाद उन्होंने इसका नाम बदलकर एक्स कॉर्प कर दिया। इस अधिग्रहण के बाद एक्स के मैनेजमेंट समेत कई कर्मचारियों की छुट्टी कर दी गई थी। छंटनी के दौरान इन सभी को हर्जाना भी मिला था। हालांकि, अब टेस्ला ष्टश्वह्र का कहना है कि इन लोगों को गलती से ज्यादा पैसे चले गए हैं। इन्हें यह वापस करना होगा। दरअसल, यह विचित्र स्थिति एक्स कॉर्प द्वारा करेंसी कनवर्जन के दौरान हुई भूल के चलते बनी है। कंपनी का कहना है कि करेंसी कनवर्जन यानी अमेरिकी डॉलर को ऑस्ट्रेलियाई डॉलर में बदलने में हुई गलती के चलते ज्यादा पैसा नौकरी से निकाले गए ऑस्ट्रेलिया के कर्मचारियों को चला गया था। सिडनी मॉर्निंग हेराल्ड के अनुसार, कंपनी ने इन छह कर्मचारियों से पैसा वापस मांगा है। साथ ही पैसा वापस न करने की स्थिति में कानूनी कार्रवाई की धमकी दी है। हाल ही में एलन मस्क ने टेस्ला में भी बड़े पैमाने पर छंटनी की थी।

आगरा में रामरथ लेकर आया 1100 किलोग्राम का धनुष, 1600 किलोग्राम की गदा

नेशनल डेस्क: उत्तर प्रदेश के आगरा के रास्ते सुमेरपुर राजस्थान से श्री जी सनातन सेवा संस्थान द्वारा अयोध्या जा रही विशाल अयोध्या यात्रा का शनिवार को गुरु का ताल के पास स्थित दक्षिणमुखी हनुमान मंदिर पर भव्य स्वागत हुआ।

रामरथ में पंचधातु से निर्मित 1100 किलोग्राम के विशालकाय धनुष और पंचधातु से निर्मित 1600 किलोग्राम की गदा को देखकर प्रभुश्रीराम के जयघोष से वातावरण राममय हो गया। इस अवसर पर श्रीरामरथ की बाबा मनकामेश्वर मंदिर के महंत योगेश पुरी ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना के बाद आरती की। इस अवसर पर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री बेबी रानी मौर्य ने कहा कि यह यात्रा लोक कल्याण के उद्देश्य से शुरू की गई है जिससे सभी के मनोरथ सिद्ध हों। रामरथ यात्रा के आगरा पड़ाव के स्वागताध्यक्ष पूरन डाबर ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन लोगों को उनकी सनातन संस्कृति से जोड़ते हैं। यात्रा का नेतृत्व कर रहीं आचार्य दीदी डॉ. सरस्वती देवकृष्ण गौड़ ने श्रीराम रथ में विराजमान पंचधातु से निर्मित 1100 किलोग्राम के विशाल राम धनुष एवं 1600 किलोग्राम के हनुमान गदा के आध्यत्मिक महत्व पर प्रकाश डाला।

रूस तुरंत यूक्रेन के साथ युद्ध रोकने को तैयार, पुतिन ने सामने रखीं बस 2 शर्तें

इंटरनेशनल डेस्क: रूस और यूक्रेन के बीच करीब अढ़ाई साल से चल रही जंग से दोनों देशों के नागरिक परेशान हैं। वैश्विक मंचों पर रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने करीब ढाई साल से चल रहे युक्रेन युद्ध को तत्काल प्रभाव से रोकने और युद्ध विराम का ऐलान करने का वादा किया है। उन्होंने इसके लिए यूक्रेन के सामने दो शर्तें रखीं हैं। शुक्रवार को पुतिन ने कहा कि अगर कीव चार कब्जे वाले यूक्रेनी क्षेत्रों से अपने सैनिकों को वापस बुला ले और उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (ङ्कञ्जह्र) में शामिल होने की योजना छोड़ दे तो वह यूक्रेन में तत्काल 'युद्ध विराम' का वादा करते हैं और यूक्रेन संग वार्ता शुरू कर देंगे। समाचार एजेंसी एसोसिएट प्रेस के मुताबिक रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने मॉस्को में विदेश मंत्रालय की एक बैठक को संबोधित करते हुए ये बातें कहीं। उनका यह बयान तब आया है, जब इटली में त्र-7 की अहम बैठक हो रही है। पुतिन स्विट्जरलैंड में आयोजित शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर बोल रहे थे, जहां 90 से अधिक देश और संगठन यूक्रेन में शांति की दिशा में संभावित मार्ग पर चर्चा करने वाले हैं। इस बीच, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मेदी ने शुक्रवार को इटली के अपुलिया क्षेत्र में जी7 शिखर सम्मेलन से इतर यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से बातचीत की है। ऐसा समझा जाता है कि जेलेंस्की ने मोदी को रूस-यूक्रेन संघर्ष के विभिन्न पहलुओं के बारे में जानकारी दी। मोदी ने पिछले साल मई में भी हिरोशिमा में आयोजित त्र7 शिखर सम्मेलन से इतर जेलेंस्की से मुलाकात की थी। भारत यह कहता रहा है कि यूक्रेन में जारी संघर्ष को बातचीत और कूटनीति के जरिये सुलझाया जाना चाहिए। दुनिया के सात प्रमुख औद्योगिक देशों के समूह ने शुक्रवार को दक्षिणी इतालवी क्षेत्र अपुलिया में तीन दिवसीय शिखर सम्मेलन के दूसरे दिन प्रवासन के साथ ही हिंद-प्रशांत और आर्थिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर चर्चा की। सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कृत्रिम मेधा (एआई), ऊर्जा, अफ्रीका और भूमध्यसागरीय क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने वाले एक सत्र को संबोधित करेंगे ङ्घतीसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद अपनी पहली विदेश यात्रा पर मोदी इटली पहुंचे जहां भारतीय राजदूत वाणी राव ने उनका स्वागत किया। वह जी7 की पारंपरिक फोटो से पहले विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें करेंगे।

11 जून से आगे नहीं बढ़ा मानसून, इन राज्यों को बारिश के लिए करना पड़ेगा इंतजार

अहमदाबाद: भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि गुजरात में समय से चार दिन पहले 11 जून को ही दस्तक देने के बावजूद दक्षिण-पश्चिम मानसून प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण राज्य के अन्य हिस्सों में आगे नहीं बढ़ पाया है। आईएमडी के अहमदाबाद मौसम केंद्र के वैज्ञानिक रामाश्रय यादव ने बताया कि दक्षिण-पश्चिम मानसून ने 11 जून को दक्षिण गुजरात के नवसारी में दस्तक दी थी, लेकिन प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण यह चार दिन से आगे नहीं बढ़ पाया है। उन्होंने कहा, ''दक्षिण-पश्चिम मानसून आमतौर पर 15 जून को गुजरात में प्रवेश करता है और 20 जून तक अहमदाबाद और सौराष्ट्र के कुछ क्षेत्रों सहित अन्य भागों में आगे बढ़ता है। 25 जून तक मानसून सौराष्ट्र के अधिकांश भागों में पहुंच जाता है और 30 जून तक यह पूरे गुजरात को कवर कर लेता है। इस बीच, आईएमडी ने अगले पांच दिनों में राज्य के कई जिलों में अलग-अलग स्थानों पर गरज के साथ हल्की बारिश होने का अनुमान जताया है। हालांकि, शुक्रवार और शनिवार को कुछ इलाकों में मानसून-पूर्व बारिश हुई। अगले 4 से 5 दिनों के दौरान महाराष्ट्र, छत्तीसगढ़, ओडिशा, तटीय आंध्र प्रदेश, उत्तर-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी, पश्चिम बंगाल के गंगा के मैदानी इलाकों के कुछ इलाकों और बिहार के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल लग रही हैं। हालांकि, मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले 4-5 दिनों के दौरान पश्चिम बंगाल, सिक्किम और पूर्वोत्तर भारत के कुछ इलाकों में भारी बारिश रहने की संभावना है। ऐसे में जल्द ही बारिश से इन इलाकों को भीषण गर्मी से निजात मिलेगी। जबकि, आईएमडी ने चेतावनी दी है कि भारत के उत्तरी भागों में अगले चार से पांच दिनों तक भीषण गर्मी की स्थिति बनी रहने की संभावना है। वहीं, स्काईमेट वेदर के उपाध्यक्ष, जलवायु और मौसम विज्ञानी महेश पलावत का कहना है कि अगले 3-4 दिनों तक मॉनसून के कमजोर रहने की उम्मीद है। एक बार जब यह गति पकड़ लेगा तो यह पश्चिम बंगाल, झारखंड आदि की ओर बढ़ सकता है, लेकिन उसके बाद यह हिमालय की तराई की ओर बढ़ेगा और महीने के आखिर में दिल्ली, हरियाणा और पड़ोसी क्षेत्रों में दस्तक देगा।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569